हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 212 बेमेतरा, शुक्रवार 27 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

नहीं बदले हैं गैस रिफिल बुकिंग के नियम, घबराने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग समय-सीमा (रिफिल टाइमलाइन) में बदलाव को लेकर चल रही खबरों और सोशल मीडिया पोस्ट पर सरकार ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ कहा है कि एलपीजी रिफिल बुकिंग के नियमों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और पुरानी व्यवस्था ही लागू है। मंत्रालय ने बताया कि कुछ समाचार रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों में यह दावा किया जा रहा था कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग के लिए 45 दिन, नॉन-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समय-सीमा तय की गई है। सरकार ने इन दावों को पूरी तरह गलत और भ्रामक बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मौजूदा नियमों के तहत एलपीजी रिफिल बुकिंग की समय-सीमा शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन ही है, और यह सभी प्रकार के कनेक्शन पर समान रूप से लागू होती है।

एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, 29 मार्च को तेज बारिश और तूफान की संभावना

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार 29 मार्च को क्षेत्र में तेज बारिश और आंधी-तूफान की संभावना जताई गई है। पिछले कुछ दिनों से सुहावने मौसम, हल्की ठंडी हवाओं और बीच-बीच में बादल छाए रहने से लोगों को गर्मी से राहत मिल रही है, और अब आने वाले दिनों में मौसम और अधिक बदलने के संकेत मिल रहे हैं। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 25 मार्च को अधिकतम तापमान करीब 32-33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17-19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 26 और 27 मार्च को तापमान क्रमश: 34/18 डिग्री और 32/17 डिग्री रहने का अनुमान है। इन दिनों थंडरस्टॉर्म विद रेन यानी गरज के साथ बारिश की स्थिति बन रही है। वहीं 28 मार्च को अधिकतम तापमान करीब 30 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री रहने के साथ मौसम साफ रहने की संभावना है।

रायबरेली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 5 शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

रायबरेली। रायबरेली में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ में पुलिस ने पांच शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बदमाशों के पैर में गोली लगी है, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, नसीराबाद और बछरावां इलाकों में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और अपराधियों के बीच झड़प हुई।

बजरी लदे ट्रक से टकराते ही आग का गोला बनी बस

लगी भीषण आग...14 यात्रियों की जिंदा जलकर हुई मौत...

मार्कपुरम/ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में गुरुवार सुबह भीषण हादसा हुआ. इस हादसे में जलकर 14 यात्रियों की दर्दनाक मौत हो गई जबकि 15 अन्य घायल हो गए. एक ट्रक से टकराने के बाद बस में आग लग गई. हादसे के कारणों का पता नहीं चल सका है. कई लोगों को घायल होने की खबर है. घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. यह हादसा रायवरम के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ, जब बस जगतियाल से कलिगिरी जा रही थी. स्लैब खदानों के पास बजरी से लदे एक ट्रक से इस निजी बस की टक्कर हो गई. शुरुआती जानकारी के मुताबिक ट्रक बेलगाम चलाया जा रहा था, जिसके कारण यह हादसा हुआ और दोनों वाहनों में आग लग गई. हादसे में कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए. यह हादसा रायवरम के पास सुबह करीब 6:30 बजे हुआ. हादसे के समय बस में 30 यात्री सवार थे. माना जा रहा है कि बस के पिछले हिस्से में बैठे यात्रियों की मौत इसलिए हो गई, क्योंकि वे बाहर नहीं निकल पाए. मरने वाले संभवत: कनिगिरी इलाके के रहने वाले थे. हादसे में दोनों वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गए. पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया. घायलों को मरकापुरम के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. मरने वालों की

संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं. मरकापुरम के विधायक कंदुला नारायण रेड्डी ने घटनास्थल का जायजा लिया. पीटीआई के अनुसार मार्कपुरम के पुलिस उपाधीक्षक नागराजू ने बताया, 'अब तक करीब 18 घायल लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया गया है. घटना की पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास जारी हैं.' उन्होंने बताया कि बचाव दल पीड़ितों की पहचान करने और उनके परिजनों की जानकारी जुटाने का काम कर रहे हैं. सत्यापन पूरा होने के बाद परिजनों को सूचित किया जाएगा. नागराजू ने कहा कि माना जा रहा है कि कुछ शव अभी भी बस के अंदर फंसे हुए हैं. हादसे के बाद बस में आग लग जाने के कारण शवों को बाहर निकालने का काम मुश्किल हो गया. इस बीच, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस हादसे पर गहरा दुख और हैरानी जताते हुए जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया. मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है, क्योंकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हैं. मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये और राज्य ने 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुख जताया. उन्होंने इस घटना को बहुत दुखद बताया. प्लेटफॉर्म एक्स पर मोदी ने दुखी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जताई.

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने दिए जांच के आदेश....

चंद्रबाबू नायडू ने इस दर्दनाक सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घटना की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से बातचीत की और पूरे हालात की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने घायलों के इलाज को लेकर विस्तार से जानकारी ली और निर्देश दिए कि सभी प्रभावित लोगों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही उन्होंने दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कराने और जल्द से जल्द विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा। सीएम ने कहा कि इस तरह की घटनाएं बेहद दुखद होती हैं और सरकार मृतकों के परिजनों तथा घायलों के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि हादसे के कारणों की गंभीरता से जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

लंबी कतारें देख सीएम का सख्त एलान

कुछ दिनों के लिए पेट्रोल पंप बंद कर दिए जाएंगे...

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लोगों से पेट्रोल पंपों के बाहर डेरा डालना बंद करने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि ऐसा न करने पर वे अगले कुछ दिनों के लिए सभी पेट्रोल पंप बंद कर देंगे। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार की बात कोई नहीं सुनता। इसके बजाय, हर कोई अफ्वाहों पर विश्वास करता है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया था। बैठक में पाया गया कि डीजल, पेट्रोल या एलपीजी सिलिंडरों की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने जोर दिया कि कुछ दिनों बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। कहीं भी उपयोग कम करने का कोई निर्देश नहीं दिया गया है। मुख्यमंत्री ने उन लोगों से अपील की है जो सोशल मीडिया अफ्वाहों के आधार पर कतार में लग रहे हैं। उन्होंने उनसे ऐसा न करने का अनुरोध किया।

नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अपने हथियार लेकर आत्मसमर्पण कर दिए

चार महिला सहित छह नक्सलियों ने कांकेर पुलिस के सामने किया आत्मसमर्पण,कई और कर सकते सरेंडर

जगदलपुर। कांकेर व राजनांदगांव की सीमा में दो दिनों से हो रही मुठभेड़ के बाद पांच कैडरों ने नक्सलियों की खोखली विचारधारा से त्रस्त होकर अपने हथियार लेकर आत्मसमर्पण कर दिए। नक्सलियों ने अपने साथ हथियार भी जमा करवाए हैं। बता दें कि कांकेर जिला अंतर्गत विगत दो दिनों में राजनांदगांव कांकेर बॉर्डर डिवीजन के पांच नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी-5 के एक कैडर ने नक्सलियों का साथ छोड़ते हुए मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया था, जिसके बाद एसीएम मंगेश पोडियमी, एसीएम गणेश वीके, एसीएम मंगती जुर्री, एसीएम हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, एसीएम राजे, पीपीसीएम स्वरूपा उसेंडी,

पीएलजीए कंपनी-05 ने तीन हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया है, जिसमें एक एसएलआर तथा दो 303 राइफल शामिल हैं। नक्सलियों ने बताया कि शासन की पुनर्वास नीति के तहत और भी नक्सली हैं जो मुख्यधारा में आना चाहते हैं, वहीं इलाके में सक्रिय अन्य नक्सली कैडरों से चर्चा कर उन्हें भी मुख्यधारा में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। ये सभी छह नक्सली कैडर, जिन्होंने पुनर्वास का मार्ग चुना है, उनके सामाजिक मुख्यधारा में आने व हथियारों की सुपुर्दगी भी की गई। बस्तर रेंज आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने एक बार फिर शेष बचे कुछ नक्सली कैडरों से हिंसा त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील दोहराई है, उन्होंने कहा कि जो कैडर शांतिपूर्ण एवं सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आगे आएंगे, उन्हें पुनर्वास नीति के अंतर्गत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जाएगी, सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली कैडर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

चुनाव से पहले ममता के खिलाफ बड़ा दांव

अमित शाह 28 मार्च को पश्चिम बंगाल में जारी करेंगे चार्जशीट

नई दिल्ली/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के 294 सीटों पर होने वाले विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद से राज्य में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के चुनावी अभियान के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 28 मार्च को राज्य का दौरा करेंगे। अपनी इस विजिट के दौरान वह एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे और उसमें ममता बनर्जी की नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ औपचारिक तौर पर चार्जशीट जारी करेंगे, जिसमें सत्तारूढ़ दल के खिलाफ बीजेपी के आरोपों की जानकारी होगी।

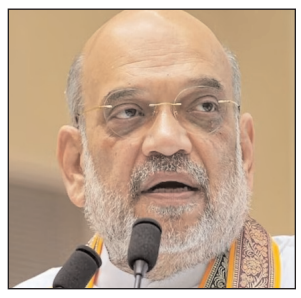

पश्चिम बंगाल बीजेपी के नजदीकी सूत्रों के मुताबिक, इस चार्जशीट में पिछले कई वर्षों में ममता सरकार दौरान हुए कथित भ्रष्टाचार, शासन की नाकामयाबी और कानून-व्यवस्था से जुड़ी चिंताओं का विस्तार से डिटेल्स हो सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने संकेत दिया है कि इस चार्जशीट में भर्ती में हुई अनियमितताओं और वित्तीय गड़बड़ियों पर फोकस होगा। चार्जशीट के अलावा, भारतीय जनता पार्टी टीएमसी की सरकार में हुए 15 साल के 'कुशासन और भ्रष्टाचार' को सामने लाने वाला एक श्वेत पत्र भी जारी करने वाली है। इस श्वेत पत्र में राज्य में शासन संबंधी कमियों से जुड़े पार्टी के दावों के सपोर्ट के लिए तमाम आंकड़े और केस स्टडी भी पेश किए जाने की संभावना है। भाजपा से यह भी उम्मीद है कि वह पश्चिम बंगाल में कथित 'माफिया शासन' जैसे मुद्दों पर अपने सियासी संदेश को और ज्यादा प्रभावी बनाने पर काम कर सकती है।

16 आरडीएक्स आईईडी लगाए हैं, दिल्ली विधानसभा को फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली विधानसभा में 16 आरडीएक्स आईईडी लगाए हैं। धमकी के बाद दिल्ली पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया, ईमेल में दावा किया गया है कि दिल्ली विधानसभा में बम लगाए गए हैं और दोपहर 1:40 बजे धमाका करने की योजना है। मेल भेजने वाला खुद को कोयंबटूर का बताता है और कहता है कि वह और उसके साथी पहले एक राजनीतिक पार्टी (डीएमके) के समर्थक थे। लेकिन अब वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

मोदी आज करेंगे मुख्यमंत्रियों के साथ ऑनलाइन बैठक

पीएममोदी ने बताया कि देश के पास 60 दिनों का ईंधन उपलब्ध

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार की शाम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बातचीत करेंगे। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बदलते हालात की समीक्षा की जाएगी और इसके भारत पर पड़ने वाले असर का आकलन किया जाएगा, खासकर तरल प्राकृतिक गैस (एलपीजी) और तेल आपूर्ति से मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में तैयारियों पर फोकस किया जाएगा, जिसमें आपूर्ति श्रृंखला, ऊर्जा सुरक्षा और विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों

की सुरक्षा जैसे मुद्दे शामिल हैं। प्रधानमंत्री बैठक में 'टीम इंडिया' की भावना के तहत सामूहिक प्रतिक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाल सकते हैं, ताकि केंद्र और राज्यों के बीच तालमेल बना रहे। बैठक में वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश में स्थिरता बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा हो सकती है। जिन राज्यों में फिलहाल चुनाव चल रहे हैं, वे आचार संहिता के कारण इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह कैबिनेट सचिवालय के जरिये उनके मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी, ताकि योजनाओं और प्रतिक्रिया की प्रक्रिया जारी रहे। यह बैठक इसलिए भी अहम मानी जा रही है, क्योंकि भारत इस समय एलपीजी की कमी का सामना कर रहा है। इससे घरों में इस्तेमाल होने वाले इस जरूरी ईंधन की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। ईरान की ओर से अधिकांश देशों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किया गया है।

ईरान को गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले देर हो जाए

ट्रंप ने दी समझौते की धमकी,कहा-पीछे जाने का मौका नहीं

वॉशिंगटन/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान को जल्द गंभीर होकर फैसला लेना होगा, वरना हालात ऐसे हो जाएंगे जहां से वापसी संभव नहीं होगी। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ा दिया है। इसी के साथ उन्होंने नाटो देशों पर भी निशाना साधा और सहयोग न करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि ईरानी वार्ताकार बहुत अलग और अजीब हैं। वे हमसे डील करने के लिए भीख मांग रहे हैं, जो उन्हें करना चाहिए क्योंकि वो सैन्य रूप से खत्म हो चुके हैं और वापसी का कोई मौका उनके पास नहीं है, और फिर भी वे सबके सामने कहते हैं कि वे सिर्फहमारे प्रस्ताव को देख रहे हैं। उन्हें जल्द ही गंभीर हो जाना चाहिए, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, क्योंकि एक बार ऐसा हो गया, तो पीछे मुड़ना मुमकिन नहीं है, और यह अच्छा नहीं होगा! ईरान ने बातचीत की संभावना पर मिले-जुले संकेत दिए हैं, जब ऐसी खबरें आईं कि ट्रंप प्रशासन ने इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान के जरिए तेहरान को 15-सूत्रीय संघर्ष विराम योजना पेश की है। सार्वजनिक रूप से, ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि तेहरान ने प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सरकारी मीडिया को बताया कि उनकी सरकार ने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत नहीं की है और न ही उनकी

किसी बातचीत की योजना है। हालांकि उन्होंने माना कि यूएस ने दूसरे देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजने की कोशिश की थी, उन्होंने कहा कि यह न तो बातचीत थी और न ही कोई नेगोशिएशन। धमकी, चेतावनी और विरोध के बीच पश्चिम एशिया ही नहीं पूरी दुनिया के लिए 27 मार्च का दिन काफी अहम है। 23 मार्च को ट्रंप ने ईरान के साथ वार्ता का दावा करते हुए कहा था कि बातचीत सकारात्मक और रचनात्मक है, इसलिए वो ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले के फैसले को 5 दिन के लिए टाल रहे हैं। इसकी मियाद शुक्रवार को समाप्त हो रही है। ट्रंप ने नाटो देशों पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि उन्होंने इस संकट के समय अमेरिका का साथ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नाटो देश ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल नहीं हुए और केवल तेल की कीमतों को लेकर शिकायत करते रहे। ट्रंप ने यहां तक कहा कि अमेरिका को नाटो की जरूरत नहीं है और सहयोगी देशों को इस समय को कभी नहीं भूलना चाहिए।ट्रंप ने कहा कि नाटो देश होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित करने में मदद नहीं कर रहे हैं, जिससे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। उन्होंने इसे एक आसान सैन्य कार्य बताया, लेकिन कहा कि सहयोगी देश जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं। उनके अनुसार यही कारण है कि वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

परमाणु ठिकानों पर हवाई हमले और ग्राउंड ऑपरेशन

इस योजना का सबसे घातक हिस्सा ईरान की परमाणु सुविधाओं, पावर प्लांट्स और मिसाइल उत्पादन केंद्रों पर भारी बमबारी करना है। ट्रंप प्रशासन ईरान के अंदर विशेष बलों के माध्यम से एक जमीनी अभियान चलाने पर भी विचार कर रहा है जिसका उद्देश्य ईरान द्वारा संवर्धित यूरेनियम को जब्त करना है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि वे बड़े पैमाने पर 'बूट्स ऑन द ग्राउंड' (जमीनी सेना) तैनात नहीं करना चाहते लेकिन उन्होंने यह भी दोहराया है कि ईरान को रोकने के लिए सभी सैन्य विकल्प खुले हैं। इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा या उसकी पूर्ण नाकाबंदी करना है। गौरतलब है कि ईरान का लगभग 90त्न तेल निर्यात इसी द्वीप से होता है। अमेरिका की योजना यहां मरीन कमांडोज और 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों के जरिए सैन्य अभियान चलाकर इसे अपने नियंत्रण में लेने की है।

केशरवानी महिला सभा चांपा ने किया नवरात्रि उत्सव, भजन कीर्तन एवं कन्या भोज का आयोजन

चांपा/मूक पत्रिका

पावन पर्व नवरात्रि के शुभ अवसर पर केशरवानी वैश्य महिला सभा, चांपा द्वारा भक्ति और श्रद्धा से परिपूर्ण विविध धार्मिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवरात्रि पूजा, भजन-कीर्तन एवं कन्या भोज का आयोजन किया गया, जिसमें समाज की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधि-विधान से माता रानी की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। साथ ही गोत्राचार्य महर्षि कश्यप जी की पूजा अर्चना की गई। पूरे वातावरण में भक्ति गीतों और भजनों की मधुर स्वर लहरियों ने आध्यात्मिक माहौल बना दिया। महिलाओं ने एक स्वर में माता दुर्गा की स्तुति कर अपनी आस्था प्रकट की। इस दौरान विशेष रूप से समाज की छोटी बच्चियों को मां दुर्गा का स्वरूप मानते हुए उनका विधिवत पूजन किया गया। कन्याओं के चरण धोकर उन्हें तिलक और आल्ता लगाया गया और श्रद्धा पूर्वक भोजन कराया गया। कन्या भोज कार्यक्रम में सभी उपस्थित महिलाओं ने सेवा भाव से भाग लिया और कन्याओं को उपहार भी भेंट किए। इस अवसर पर राष्ट्रीय महिला सभा के संरक्षक कल्याणी केशरवानी, महिला सभा चांपा के संरक्षक मधुरानी गुप्ता, केशरवानी वैश्य महिला सभा चांपा के अध्यक्ष अल्का केशरवानी, प्रदेश महिला सभा की महामंत्री रेखा गुप्ता, कोषाध्यक्ष रिंकी गुप्ता, प्रदेश महिला सभा के प्रचार प्रसार मंत्री सिंकी गुप्ता, प्रदेश महिला सभा की कार्यकारिणी रागिनी गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, मनीषा गुप्ता, मंजू केशरवानी, अनुपमा केशरवानी, सपना गुप्ता, दीपिका गुप्ता, पूर्णिमा गुप्ता, जयश्री गुप्ता, लक्ष्मीन गुप्ता, राधा गुप्ता, खुशबू गुप्ता, सरिता गुप्ता, प्रीति केशरवानी, पुष्पा केशरवानी, संगीता केशरवानी, नंदिनी गुप्ता, लक्ष्मी गुप्ता, प्रमिला गुप्ता, नेहा गुप्ता, निम्मी गुप्ता, आशी केशरवानी, अवि गुप्ता,मोनिका, शिवम्, सिमरन, तुलसी, भूमिका, दुर्गा एवं अन्य बहनें और बच्चे बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए। अंत में सभी ने माता रानी से सुख-समृद्धि एवं समाज की उन्नति की कामना की। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ।

जनगणना 2027: जिले में फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण संपन्न, पहले चरण की तैयारियां तेज

इस बार जनगणना होगी पूरी तरह डिजिटल, घर-घर जायेंगे जिले के 1500 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत की आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में जिले के 26 फील्ड ट्रेनरी का तीन दिवसीय प्रशिक्षण जिला पंचायत कार्यालय सारंगढ़ में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ संजय कन्नौजे जिला जनगणना अधिकारी उमेश कुमार माहू, अतिरिक्त जनगणना अधिकारी संजय टोप्पो एवं जनगणना निदेशालय से जिले के लिए नियुक्त नोडल अधिकारी शेष प्रसाद पंडा प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित रहे। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने इस अवसर पर कहा कि, जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में संपन्न किया जाना है, पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा, जो कि जिले में 01 मई से 30 मई 2026 के बीच पूरा किया जाएगा। ?द्वितीय चरण का कार्य अर्थात जनसंख्या गणना का कार्य फरवरी 2027 में किया जायेगा। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम में की जाएगी। इस महत्वपूर्ण कार्य को जिले के 1500 प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों द्वारा घर-घर जाकर संपादित करेंगे। जिला स्तर पर आयोजित इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर सह व्याख्याता भरत लाल देवांगन और भगवान प्रसाद बसंत ?ने फील्ड ट्रेनरों को जनगणना की विस्तृत प्रक्रिया, डेटा संग्रहण के तरीके, तकनीकी उपयोग तथा सर्वेक्षण से संबंधित सभी आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया है कि जनगणना के प्रथम चरण में कुल 34 प्रश्नों के माध्यम से मकानों से संबंधित विभिन्न जानकारियां एकत्रित की जाएगी। इसमें मकान की स्थिति, निर्माण सामग्री, उपलब्ध सुविधाएं जैसे टीवी, इंटरनेट, मोबाइल, वाहन आदि के साथ-साथ अन्य आधारभूत जानकारी शामिल रहेगी। जनगणना की एकत्रित जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और इसका उपयोग केवल शासकीय योजनाओं के निर्माण एवं क्रियान्वयन में किया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरांत फील्ड ट्रेनर अपने-अपने क्षेत्र के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिसके बाद वे निर्धारित अवधि में घर जाकर जानकारी संकलित करेंगे। आगामी वर्ष फरवरी 2027 में जनगणना का दूसरा चरण आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनसंख्या से संबंधित विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी।

कांकेर में 'मिशन रोजगार' की शुरुआतः खादी ग्रामोद्योग से युवाओं को मिला स्वरोजगार का नया अवसर

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/-छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में युवाओं के लिए आज का दिन खास रहा। 'खादी ग्राम स्वराज अभियान' के तहत ग्रामोद्योग विकास योजना के जरिए क्षेत्र में स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में अहम पहल की गई। प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से कांकेर में विशेष वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) के अध्यक्ष मनोज कुमार के कर कमलों से टर्न वुड क्राफ्ट मशीनों का वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत संचालित यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही है। 'मिशन रोजगार' के माध्यम से न केवल लोगों को काम मिल रहा है, बल्कि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर KVIC अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि ÷गांव का पैसा गांव में ही रहे और हर हाथ को काम मिले÷ इसी सोच के साथ यह योजना लागू की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत युवाओं को अपना उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। हस्तलिखित आंकड़ों पर नजर डालें तो खादी ग्रामोद्योग स्वरोजगार स्थापित करने के लिए 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन' कार्यक्रम के तहत अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि गाँव का पैसा गाँव में रहे और हर हाथ को काम मिले। सरकार की इस योजना के तहत अब युवा अपना खुद का उद्योग खड़ा कर सकते हैं। अगर आप मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जाना चाहते हैं, तो 50 लाख तक और सर्विस सेक्टर के लिए 20 लाख तक का लोन आसानी से मिल सकता है। सबसे बड़ी बात ये है कि इसमें सरकार की तरफ से 15 से 35 प्रतिशत तक की भारी छूट यानी सब्सिडी भी दी जा रही है।÷ कार्यक्रम से लाभान्वित युवा अब स्वयं का रोजगार शुरू कर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकेंगे, जिससे जिले में विकास और आत्मनिर्भरता को नई गति मिलने की उम्मीद है।

गातांडीह में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स द्वारा 'प्याऊ घर' का शुभारंभ, राहगीरों को मिलेगी गर्मी में राहत

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के जिला संघ सारंगढ़-बिलाईगढ़ द्वारा ग्राम गातांडीह में ' प्याऊ घर' का विधिवत शुभारंभ किया गया। भीषण गर्मी और तेज धूप को ध्यान में रखते हुए प्रारंभ की गई इस जनसेवा पहल के तहत एक माह तक निरंतर राहगीरों, श्रमिकों एवं आम नागरिकों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस 'प्याऊ घर' का मुख्य उद्देश्य गर्मी से राहत प्रदान करते हुए मानव सेवा के भाव को सशक्त करना है। शुभारंभ अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स के सदस्य, अधिकारीगण, शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाजहित में एक प्रेरणादायी कदम बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) डॉ. पूनम सिंह साहू उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में तिलक जायसवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर गांव के गणमान्य नागरिक सुग्रीव साहू सहित अन्य प्रतिष्ठित जन भी मौजूद रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स संगठन सदैव सेवा, अनुशासन एवं समाज कल्याण के कार्यों में अग्रणी रहा है। 'प्याऊ घर' जैसी पहल मानवता की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता का सशक्त उदाहरण है। भीषण गर्मी के बीच यह व्यवस्था राहगीरों के लिए राहत का केंद्र बन रही है, जहां स्वयंसेवक निष्ठा एवं समर्पण के साथ जल सेवा प्रदान कर रहे हैं तथा स्वच्छता एवं सहयोग का संदेश भी दे रहे हैं। इस अवसर पर यह जानकारी भी दी गई कि यह जिले का प्रथम 'प्याऊ घर' है तथा भविष्य में जिले के सभी ब्लॉकों में इस प्रकार की सेवा शुरू करने की योजना है, जिससे अधिकाधिक लोगों को लाभ मिल सके।कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला संगठन आयुक्त (गाइड) धात्री नायक, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) शंकर लाल साहू, कब प्रियांश साहू सहित समस्त स्काउट-गाइड दल का सराहनीय योगदान रहा।

यह पहल समाज में सेवा, सहयोग एवं मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास के रूप में सामने आई है।राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंग खालसा के निर्देशानुसार तथा राज्य सचिव बृजेश बाजपेई के मार्गदर्शन में, जिला मुख्य आयुक्त अजय गोपाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त जे आर डहरिया के मार्गदर्शन में यह कार्य किया जा रहा है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु नवीनीकरण और नवीन आवेदन की अंतिम तिथि 27 मार्च

12वी से उच्चतर पढ़ाई कर रहे एसटी, एससी और ओबीसी विद्यार्थियों को जमा करना होगा ऑनलाइन आवेदन

सारंगढ़ बिलाईगढ। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के अध्ययनरत विद्यार्थियों को सूचित किया गया है कि, वे शिक्षा सत्र 2025-26 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति के लिए विभागीय पोर्टल पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप डॉट सीजी डॉट एनआईसी डॉट इन https://postmatric-scholarship.cg.nic.in में नवीनीकरण और नवीन आवेदन 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद शिक्षा सत्र 2025-26 के पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति छात्रवृत्ति के लिए विभागीय पोर्टल को बंद किया जाएगा।

छात्रवृत्ति हेतु पात्रता

अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के पालक की आय सीमा रू. 2.50 लाख और अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु आय सीमा 1 लाख रूपये प्रतिवर्ष होना चाहिए। सक्षम अधिकारी द्वारा जारी स्थाई जाति प्रमाण पत्र, छ.ग. का मूल निवास प्रमाण पत्र, विद्यार्थी के अध्ययनरत् पाठ्यक्रम के विगत वर्ष का परीक्षा परिणाम संलग्न करना होगा। पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जा रहा है। सभी विद्यार्थी ऑनलाईन आवेदन करते समय ध्यान रखे कि उनका बचत खाता एक्टिव हो एवं आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर की प्रविष्टि करना सुनिश्चित करें। इस संबंध में विस्तृत जानकारी अपने जिले के कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय कोसीर रोड कालेज के पास सारंगढ़ से प्राप्त की जा सकती है।

सभी बिल को कोषालय में जमा करने की अंतिम तिथि 27 मार्च

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार के वित्त विभाग ने समस्त विभाग को पत्र जारी कर वित्तीय वर्ष 2025-26 के समस्त देयको को जिला कोषालय में जमा करने की अंतिम तिथि 27 मार्च 2026 निर्धारित है। इसी प्रकार चेकबुक कोषालय में जमा करने की अंतिम तिथि 28 मार्च है।

कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स के प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन 27 मार्च तक आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ। कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स जैसे बीई/बी.टेक, बी.टेक (कृषि इंजीनियरिंग), बी.टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी), बी.टेक (डेयरी प्रौद्योगिकी), डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा की पढ़ाई के लिए आयोजित पशु चिकित्सा प्रवेश परीक्षा (पेट इंट्रेस एग्जाम) 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए 27 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ। शैक्षणिक सत्र 2026 में एमएससी नर्सिंग कोर्स में दाखिला के लिए आयोजित एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं।बिलासपुर एवं रायपुर में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

सारंगढ़ में अनुविभाग स्तर पर 27 मार्च को होगा जनसमस्या निवारण शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़। सारंगढ़ के एसडीएम ऑफिस परिसर (कचहरी) में 27 मार्च को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक अनुविभाग स्तर पर जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी विभाग के स्टॉल होंगे। सभी विभाग अपने विभाग से संबंधित जनसुविधा, योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान करेंगे। इस शिविर में नागरिक अपनी समस्या के निराकरण के लिए आवेदन जमा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार, राज्य के नागरिकों के मांग, सुझाव और समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर सुशासन तिहार, प्रशासन गांव की ओर जैसे कई प्रकार के आयोजन करते आ रही

भगवा झंडों और तोरणों से सजा चांपा नगर

श्रीरामनवमी पर भव्य शोभायात्रा आज, नगर सजावट व जीवंत झांकियां होंगी आकर्षण

चांपा/मूक पत्रिका

श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर श्री रामनवमी महोत्सव आयोजन समिति चांपा द्वारा भव्य शोभायात्रा एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर नगर में उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। आयोजन समिति से प्राप्त जानकारी के अनुसार भव्य शोभायात्रा शुक्रवार 27 मार्च 2026 को शाम 4 बजे निकाली जाएगी। शोभायात्रा का प्रारंभ रेलवे टैक्सी स्टैंड, पलटन बाबा मंदिर से होगा। जो बरपाली चौक, थाना चौक, सुभाष चौक, सदर बाजार एवं कदम चौक होते हुए नगर भ्रमण कर परशुराम चौक हनुमान मंदिर पहुंचेगा। महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी रखी गई है। सायं 5 बजे से भजन संध्या, सायं 6 बजे से दीपदान तथा सायं 7 बजे महाआरती का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं के बैठने हेतु अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर विशेष आकर्षण के रूप में जीवंत झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी, जिनमें बाहुबली बजरंगबली (रौद्र रूप), भोलेनाथ (रौद्र रूप), नवमुखी काली मां, रामदरबार, अयोध्या की रामलीला सहित अनेक सुंदर झांकियां शामिल रहेंगी। आयोजन समिति ने नगरवासियों से अपील की है कि वे अपने-अपने घरों के सामने दीपक जलाकर एवं रंगोली सजाकर इस पावन पर्व की शोभा बढ़ाएं। साथ ही अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा एवं दीपदान कार्यक्रम में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया गया है।

भव्य शोभायात्रा को लेकर नगर हुआ भगवामय, रामभक्तों में उत्साह- नगर में श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। नगर के सभी रामभक्तों ने मिलकर पूरे शहर को भगवा तोरणों और झंडों से आकर्षक रूप से सजाया है। मुख्य मार्गों से लेकर हर गली-मोहल्ले, चौक-चौराहों और खंभों तक भगवामय वातावरण नजर आ रहा है। शोभायात्रा की भव्यता को देखते हुए नगर में धार्मिक उल्लास और आस्था का माहौल बन गया है। सजावट, झांकियां और रामभक्ति से ओतप्रोत वातावरण इस शोभायात्रा को विशेष और आकर्षक बनाने वाला है। नगरवासी पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने नगर सहित आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में श्रीराम नवमी के उपलक्ष्य में निकलने वाली इस भव्य शोभायात्रा में शामिल होकर धर्म और आस्था के इस पर्व को सफल बनाएं। समिति ने सभी से आयोजन के दौरान शांति, अनुशासन और आपसी सौहार्द बनाए रखने का भी आग्रह किया है।

कांकेर : जिला प्रशासन की 'मावा मोदोल' योजना ने रचा इतिहास, 20 दूरस्थ छात्रों ने CGPSC प्री में मारी बाजी

कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन और सीईओ हरेश मण्डावी के मार्गदर्शन में चमकी प्रतिभा

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-जिला उत्तर बस्तर कांकेर की प्रतिभाओं ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अगर सही दिशा और संसाधन मिलें, तो दूरस्थ क्षेत्रों के युवा भी बड़े सपने साकार कर सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा संचालित अभिनव पहल ÷मावा मोदोल - मेरा मूल मेरा भविष्य÷ निःशुल्क कोचिंग योजना ने ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। इस योजना के अंतर्गत अध्ययनरत दूरस्थ और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कुल 20 छात्र-छात्राओं ने प्रतिष्ठित CGPSC प्रारंभिक परीक्षा 2026 में उत्तीर्ण होकर जिले का नाम रौशन किया है। यह उपलब्धि जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गई है। अभावों के बीच प्रतिभा का निखार जिला प्रशासन की इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ अंचल और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे मेधावी छात्रों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण कोचिंग उपलब्ध कराना है। जिला मुख्यालय कांकेर एवं विकासखंड मुख्यालय भानुप्रतापपुर में संचालित इस कोचिंग कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष से विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर रहे थे, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आए हैं। भानुप्रतापपुर और कांकेर शाखा से सफलता का डंका परीक्षा परिणामों में भानुप्रतापपुर शाखा से सर्वाधिक 12 छात्र-छात्राओं और कांकेर शाखा से 8 छात्र-छात्राओं ने बाजी मारी है। भानुप्रतापपुर शाखा से सफल छात्रः शिल्पा नुरेटी, कु. छबीलता देहारी, भावेश करंगा, रामगुलाल, कु. रजोतिन, राहुल ठाकुर, डेनियल वर्मा, गजेंद्र सोनवानी, लोचन प्रसाद देवांगन, कु. नेहा कोरेटी, दीप मल्लिका चुरेंद्र एवं कमल राम ठाकुर (नायब तहसीलदार)। कांकेर शाखा से सफल छात्रः सुभाष नेताम, वीरेंद्र टंडन, प्रतिभा कुंजाम, प्राची वासनीकर, तुषार शेंडे (टेस्ट सीरीज लाभार्थी), दिलीप कुमार मार्कण्डेय, नीरज कुमार साहू एवं विक्रांत । अंतिम चयन तक साथ देगा प्रशासन सफल छात्रों को बधाई देते हुए कलेक्टर नीलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने इस उपलब्धि को छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का संयुक्त परिणाम बताया। उन्होंने जिला पंचायत सीईओ हरेश मण्डावी को निर्देशित किया कि इन विद्यार्थियों के लिए मुख्य परीक्षा (Mains) और साक्षात्कार (Interview) की तैयारी हेतु तत्काल विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। प्रशासन अब सफल छात्रों को निःशुल्क आवास, उन्नत अध्ययन सामग्री, विशेष बैच, टेस्ट सीरीज और इंटरव्यू गाइडेंस उपलब्ध कराएगा। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद और डीएमसी नवनीत पटेल को भी मुख्य परीक्षा की तैयारियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन की यह पहल सिद्ध करती है कि 'मावा मोदोल' योजना आज शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समावेश और समान अवसर का एक प्रेरणादायक मॉडल बनकर उभर रही है।

कांकेर में माओवाद की कमर टूटी: 6 कैडरों ने डाला हथियार

स्वरूपा के पत्र से और सरेंडर की बढ़ी संभावना

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर 26 मार्च 2026 जिला कांकेर में माओवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने बताया कि राजनांदगांव-कांकेर बॉर्डर डिवीजन के 5 माओवादी कैडर तथा मिलिट्री कंपनी-05 के 1 कैडर ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों में ‹ष्टरू मंगेश पोडियामी, ‹ष्टरू गणेश वीके, ‹ष्टरू मंगती जूरी, ACM हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, ‹ष्टरू राजे एवं PPCM स्तर के सदस्य स्वरूपा उरेंडी (PLGA कंपनी-05) शामिल हैं। इन कैडरों ने आत्मसमर्पण के दौरान 1 SLR और 2.303 राइफल सहित कुल 3 हथियार भी सौंपे हैं। इसी बीच, आत्मसमर्पण करने वाली स्वरोपा उरेंडी द्वारा गोंडी भाषा में लिखे गए

एक पत्र का भी उल्लेख सामने आया है। इस पत्र में उन्होंने अब भी सक्रिय माओवादी साथियों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। माना जा रहा है कि इस भावनात्मक अपील का असर अन्य नक्सलियों पर भी पड़ सकता है। पुलिस के अनुसार, पुनर्वास के लिए आगे आए इन कैडरों से मिली जानकारी के आधार पर अन्य सक्रिय माओवादियों से संपर्क कर उन्हें भी मुख्यधारा में लाने के प्रयास जारी हैं। वर्तमान में अनुमान लगाया जा रहा है कि क्षेत्र में अब बहुत कम माओवादी कैडर शेष बचे हैं। पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुंदरराज पी. ने भी शेष माओवादियों से आत्मसमर्पण कर शांतिपूर्ण जीवन अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।

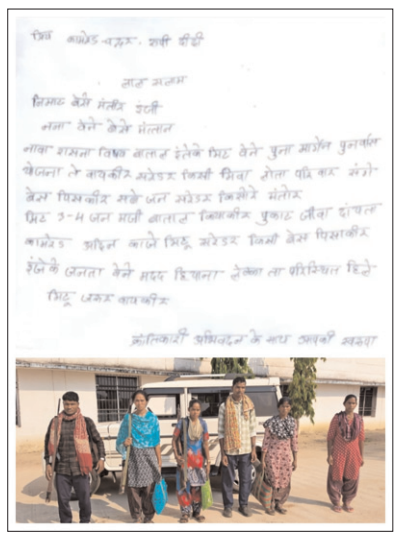

उल्लेखनीय है कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव से पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक माओवादी कैडर मुख्यधारा में लौट चुके हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और विकास की दिशा मजबूत हो रही है।

बस्तर जिले में अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्यवाही

भस्कली नदी पर पोकलेन मशीन सील, हाईवा जप्त

जगदलपुर/मूक पत्रिका

कलेक्टर आकाश छिकारा के सख्त निर्देशों के परिपालन में जिले के खनिज अमले ने अवैध उत्खनन के विरुद्ध अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। इसी कड़ी में गुरुवार 26 मार्च को तहसील बकावंड के ग्राम बेलगांव और बनियागांव क्षेत्र में खनिज विभाग द्वारा एक बड़ी दण्डात्मक कार्यवाही को अंजाम दिया गया। खनि अधिकारी शिखर चेरपा के मार्गदर्शन में जिला खनिज जाँच दल ने छत्तीसगढ़ और ओड़िशा राज्य की अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित भस्कली नदी पर दबिश दी, जहाँ बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन होना पाया

गया। कार्यवाही के दौरान मौके पर अवैध कार्य में संलिप्त एक पोकलेन मशीन को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया, वहीं रेत परिवहन में लगे एक हाईवा को जप्त कर नगरनार थाना की अभिरक्षा में सौंपा गया है। इस पूरी कार्यवाही में सहायक खनि अधिकारी श्री जागृत गायकवाड़, खनि सिपाही श्री डिकेश्वर खरे सहित टीम के सदस्य महादेव सेठिया, सीताराम और कृष्णा सक्रिय रूप से मौजूद रहे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि पकड़े गए प्रकरण में नियमानुसार कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी। कलेक्टर श्री छिकारा के निर्देशानुसार जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण पाने के लिए खनिज अमले द्वारा भविष्य में भी इसी तरह निरंतर जाँच अभियान चलाया जाएगा ताकि अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लगाई जा सके।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा की, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई की अध्यक्षता में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित निर्माण कार्यों की व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, आरईएस (ग्रामीण अभियांत्रिकी सेवा) विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, तकनीकी सहायक, उपसंचालक पंचायत, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) एवं बिहान योजना से जुड़े जिला एवं जनपद स्तर के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता, समय-सीमा

और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि 15 जून तक मानसून शुरू होने से पहले जिन भी कार्यों की स्वीकृति हो चुकी है, उन्हें हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सड़क, नाली, भवन निर्माण, पंचायत भवन, सामुदायिक परिसंपत्तियों तथा मनरेगा के तहत चल रहे सभी निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। जिन कार्यों में भूमि विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है, उन्हें तत्काल निरस्त कर संबंधित राशि की वापसी सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि शासकीय राशि का दुरुपयोग न हो और विकास कार्यों में अनावश्यक देरी न हो। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की प्रगति पर भी विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्ष्य के अनुरूप समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण कराया जाए तथा लाभार्थियों का पलायन रोकने के लिए लगातार फील्ड मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि जिन आवासों को निरस्तीकरण योग्य पाया गया है, उन्हें नियमानुसार निरस्त किया जाए और पात्र हितग्राहियों को ही योजना का लाभ दिया जाए। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि आवास योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत सामने आने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर सुश्री ममगाई ने सभी अधिकारियों को पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फील्ड स्तर पर नियमित निरीक्षण, कार्यों की फोटो अपलोडिंग, समय पर मस्टर रोल का संधारण तथा तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि योजनाओं का लाभ समय पर ग्रामीणों तक पहुंच सके। बैठक में जिले में जल संरक्षण के कार्यों को गति देने पर भी विशेष चर्चा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गांव-गांव में सोखता गड्ढा, रिचार्ज पिट, जल संरक्षण संरचनाओं और वर्षा जल संचयन से संबंधित कार्यों का अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि आने वाले मानसून को ध्यान में रखते हुए जल संरक्षण को जनआंदोलन का रूप दिया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में जल स्तर को बढ़ाया जा सके और भविष्य में जल संकट की स्थिति से बचा जा सके। बैठक के अंत में कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्य पूरा करने और जिले में विकास कार्यों को तेज गति देने की अपेक्षा जताई।

मनरेगा के तहत अनारकली को मिला पक्का पशु शेड, दूध व्यवसाय से हो रही अच्छी आमदनी

दुर्ग/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत महमरा की रहने वाली अनारकली यादव एक साधारण ग्रामीण महिला हैं, पति रामेश्वर यादव के साथ वे वर्षों से पशुपालन और कृषि कार्य के जरिए अपने परिवार का भरण-पोषण कर रही थीं। मती अनारकली के पास पहले से कुछ गौधन था, जो उनके जीवनयापन का मुख्य आधार था। लेकिन पशुओं के लिए उचित व्यवस्था न होने के कारण उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। पशुओं को कच्चे शेड में रखा जाता था, जहां न तो साफ-सफाई संभव थी और न ही मौसम से सुरक्षा। बारिश के दिनों में स्थिति और भी खराब हो जाती थी। पशुओं को कभी खुले में रखना पड़ता, तो कभी कीचड़ और गंदगी में। इससे पशुओं का स्वास्थ्य बिगड़ता और दूध

उत्पादन भी प्रभावित होता था। अनारकली लंबे समय से एक पक्के पशु शेड का सपना देख रही थीं, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पा रहा था। आखिरकार उन्होंने हिम्मत जुटाई और अपनी समस्या ग्राम सभा में रखी। उनकी बात को गंभीरता से लेते हुए ग्राम पंचायत ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत उनके लिए पशु शेड निर्माण को स्वीकृति दी। करीब 0.95 लाख रुपये की लागत से पक्का पशु शेड बनाया गया। निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत का पूरा सहयोग मिला और इस प्रक्रिया में अनारकली को मजदूरी भी प्राप्त हुई।

नहर लाइनिंग का निरीक्षण, किसानों की मांग के अनुसार स्टीमेट बनाने के निर्देश

राजनांदगांव/मूक पत्रिका

अवर्धा जलाशय एवं बोटेपार जलाशय से निकलने वाली निर्माणाधीन पक्की नहर लाईनिंग का कलेक्टर जितेंद्र यादव ने निरीक्षण किया। उन्होंने नहर लाइनिंग की कुल लंबाई, निर्माण गुणवत्ता, कार्य की गति तथा डेम की उपलब्ध क्षमता संबंधी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता मानकों के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिससे आगामी सीजन में किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि पक्की नहर लाइनिंग कार्य से किसानों को पर्याप्त मात्रा में सिंचाई का स्थायी लाभ मिलेगा।

कलेक्टर ने नहर किनारे उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर नहर लाइनिंग कार्य से मिलने वाले लाभ और गांव की समस्याओं की जानकारी ली। किसानों ने बताया कि पक्की नहर लाइनिंग बनने से पानी का रिसाव कम होगा, सिंचाई सुचारू रूप से खेतों तक पहुंचेगी तथा उत्पादन में वृद्धि की संभावना बढ़ेगी।

बोटेबार के किसानों ने सीसीरोड की मांग रखी

कलेक्टर ने किसानों को पीएम आशा योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि योजना अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीद की जा रही है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त होगी। इस अवसर पर ग्राम बोटेपार के किसानों ने सीसी रोड एवं नाली निर्माण की मांग रखी। कलेक्टर ने उनकी मांगों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को सीसी रोड एवं नाली निर्माण का स्टीमेट तैयार कर बारिश के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि गांव में आवागमन एवं जल निकासी की समस्याओं का समाधान हो सके। कलेक्टर ने किसानों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सिंचाई संबंधी सभी कार्यों को प्राथमिकता के साथ तथा पारदर्शिता से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अवैध महुआ शराब पर भटगांव पुलिस की कार्रवाई, 20 लीटर के साथ तस्कर गिरफ्तार

सारंगढ/मूक पत्रिका

बिलाईगढ पुलिस अधीक्षक आंजनेय वार्ष्णेय के निर्देशन पर तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निमिषा पांडे, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस विजय ठाकुर के मार्गदर्शन में,थाना प्रभारी भटगांव शिवकुमार धारी के कुशल नेतृत्व में थाना भटगांव पुलिस द्वारा अवैध शराब बिक्री करने वाले शराब कोचियाओं कार्यवाही कर, दिनांक 26,03,26 को मुखबिर से सूचना मिला कि ग्राम गिरवानी सांवरिया डेरा का अजय कुमार नाम का व्यक्ति मधुबनकला नाला के पास के भारी मात्रा में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है की सूचना पर रेड कार्यवाही कर रंगे हाथ पकड़ कर। आरोपी अजय गोड पिता कुमार गोंड

उम्र 34 साल ग्राम गिरवानी सांवरिया डेरा थाना भटगांव जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के कब्जे से 20 लीटर कच्ची महुआ शराब को समक्ष गवाह के जप्त कर आरोपी के विरुद्ध अपराध धारा 34(2)आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया ,जिसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

किसानों से पंजीयन कराने की अपील, तय तिथि से पहले बेचें उपज

एमएसपी पर दलहन–तिलहन खरीदी जारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहन एवं तिलहन की खरीदी का कार्य लगातार जारी है। जिला प्रशासन द्वारा किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से खरीदी की प्रक्रिया को व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संचालित किया जा रहा है। उप संचालक मोरध्वज डडसेना ने बताया कि इस अभियान के तहत अरहर (तुअर) एवं सरसों की खरीदी की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि चना एवं मसूर की खरीदी 30 मई 2026 तक की जाएगी। किसानों को निर्धारित समय-

सीमा के भीतर अपनी उपज बेचने की सलाह दी गई है, ताकि वे शासन द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ प्राप्त कर सकें। जिले में अब तक कुल 534 क्विंटल दलहनङ्कतिलहन की खरीदी की जा चुकी है। वर्तमान में जिले की 9 अधिसूचित सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। इन समितियों में किसानों के लिए तौल, पंजीयन, उपज की जांच, भुगतान प्रक्रिया और अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन ने बताया कि खरीदी केन्द्रों पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त कर्मचारी, तौल मशीन, बारदाना, पेयजल, छाया एवं बैठने की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन पंजीयन, आधार आधारित सत्यापन एवं बैंक खाते में सीधे भुगतान की व्यवस्था भी लागू की गई है। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे अपने आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित सेवा सहकारी समिति में संपर्क कर शीघ्र पंजीयन कराएं। साथ ही किसानों से यह भी कहा गया है कि वे अपनी दलहनङ्कतिलहन की उपज को अधिकृत खरीदी केन्द्रों पर ही विक्रय करें, ताकि उन्हें शासन द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। जिला प्रशासन का कहना है कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार की यह महत्वपूर्ण योजना है, इसलिए सभी किसान इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। खरीदी कार्य की नियमित मॉनिटरिंग भी जिला स्तर से की जा रही है, ताकि पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और व्यवस्थित ढंग से पूरी की जा सके।

आज ही जुड़े हमारे राष्ट्रीय दैनिक अखबार मूक पत्रिका एवं न्यूज नेटवर्क के साथ
आवश्यकता
छत्तीसगढ़ के संभाग/ जिला/ब्लॉक/ग्रामीण स्तर पर मिडिया मित्र के रूप में कार्य करने हेतु सम्पर्क करें। 8878131207, 7999238079
कवर्धा, कांकेर (उत्तर बस्तर), कोरबा, कोरिया, जशपुर, जांजगीर-चांपा, मनेन्द्रगढ़, सक्ती, सारंगढ़, मोहल्ला मानपुर, दन्तेवाड़ा (दक्षिण बस्तर), दुर्ग, धमतरी, बिलासपुर, बस्तर, महासमुंद, राजनांदगाँव, रायगढ़, रायपुर, सरगुजा, बलौदाबाजार, बालोद, मुंगेली, बेमेतरा, सुरजपुर, गरियाबंद, सुकमा, बलरामपुर, नारायणपुर, बीजापुर, गौरेला-पेण्ड्रा मरवाही
सम्पर्क करें। +91 7999238079, 8878131207
सम्पर्क करें। +91 7999238079, 6267320220
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001
इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें।
राष्ट्रीय दैनिक मूक पत्रिका
MP National News
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...
इच्छुक व्यक्ति जल्द सम्पर्क करें।
Contact No.+91 7999238079, 7828658259, 8878131207
Head Office : Press Road & Media HouseTelibandha Shyam Nagar Raipur Chhattisgarh-492001

संपादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता- नई शर्तों के इंतजार में टला हस्ताक्षर

भारत और अमेरिका के बीच पिछले महीने जिस अंतरिम व्यापार समझौते पर सहमति बनी थी, उसे लेकर कई तरह की दुविधाएं थीं और कुछ शर्तें पहले ही सवालों के घेरे में थीं। अमेरिका की ओर से जिस ढांचे में शुल्क दरें तय करने की बात कही गई थी, उसे भारत के लिहाज से घाटे का सौदा माना जा रहा था।एक तरह से तभी इस बात की आशंका बन रही थी कि भारत इस मसले पर अमेरिका से पुनर्विचार करने को कह सकता है। मगर कई बार वैश्विक समीकरण इस तरह काम करते हैं कि दोनों पक्षों को मौजूदा तकाजों के मुताबिक फैसला लेना होता है। शायद यही वजह है कि उस समय अमेरिका की ओर से शुल्क दर घटा कर अठारह फीसद कर दिया गया था और भारत ने उस पर सहमति जताई थी।मगर अब भारत सरकार की ओर से यह साफ कहा गया है कि अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौता तभी आगे बढ़ेगा या उस पर हस्ताक्षर होंगे, जब नया वैश्विक शुल्क ढांचा तैयार हो जाएगा। गौरतलब है कि भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते पर इसी महीने हस्ताक्षर होने थे, लेकिन चूंकि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले में पुरानी शुल्क दरों को अमान्य करार दे दिया गया, इसलिए अब वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को वैश्विक व्यापार के लिए नया ढांचा तैयार करने की जरूरत पड़ रही है।इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी व्यापार समझौते में शामिल देश तभी सहमत होते हैं, जब उन्हें विश्व बाजार में अन्य प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले ज्यादा सुविधाएं या लाभ मिलें। मगर पिछले महीने अमेरिका के साथ जिन परिस्थितियों में व्यापार समझौते पर बात आगे बढ़ी थी, उसे भारत के लिहाज से अनुकूल नहीं कहा जा सकता था। खासतौर पर शुल्क दरें तय किए जाने की कसौटी चूंकि समान नहीं थी, इसलिए आने वाले वक्त में इस मसले पर संतुलन बनाने की मांग उठने की पूरी संभावना थी।इसके अलावा, खुद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन के शुल्क दरों के ढांचे को कठघरे में खड़ा कर दिया। हालांकि एक वस्तुस्थिति यह भी है कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर भले ही वार्ता आगे बढ़ रही थी, लेकिन अब तक यह केवल समझौते के प्रारूप तक ही पहुंची थी।

यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की।

ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार, भारत आखिर कैसे देगा जवाब?

(नीरज कुमार दुबे)

करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है।

यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है।

पानी पर कब्जा यानी भविष्य पर कब्जा

चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है।

विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है।

लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।

पर्यावरण के साथ खतरनाक खिलवाड़

जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में

गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं।

इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा।

तिब्बत की आवाज दबाकर बनाई जा रही परियोजना

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। तिब्बती समुदाय और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है।

चीन की इस चाल के जवाब में भारत ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। भारत पूर्वोत्तर में 208 बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिसकी कुल क्षमता 75 गीगावाट से ज्यादा होगी। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट अपर सियांग है जिसकी ऊंचाई लगभग तीन सौ मीटर और क्षमता ग्यारह गीगावाट होगी। इसका मकसद केवल बिजली बनाना नहीं बल्कि चीन के जल नियंत्रण के खतरे को संतुलित करना है। भारत की योजना है कि वर्ष 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से छिहत्तर गीगावाट से अधिक बिजली पैदा की जाए। यानी यह साफ है कि यह अब ऊर्जा की दौड़ नहीं बल्कि रणनीतिक टकराव बन चुका है।

पानी से डेटा तक फैलती जंग

अब यह संघर्ष केवल नदी तक सीमित नहीं रहा। जलविद्युत परियोजनाएं अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा तंत्र से जोड़ रहा है जबकि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण पर काम कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि जो देश पानी को नियंत्रित करेगा वही ऊर्जा और डेटा दोनों पर नियंत्रण हासिल करेगा। यानी भविष्य की ताकत अब पानी और तकनीक के गठजोड़ में छिपी है।

बिना नियम के खतरनाक खेल

सबसे बड़ा खतरा यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। यानी कोई बाध्यता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अतीत में चीन ने साल 2000 में आई बाढ़ के दौरान जरूरी आंकड़े साझा नहीं

सनसनी, सियासत और साजिश

चैनल-दर-चैनल भारत और दुनिया का हाल, टीवी की चीख-पुकार में डूबी सियासत

(सुधीश पचौरी)

अंकल सैम का जवाब नहीं। अंकल अपने ही युद्ध में फंसे हैं। एक दिन कहते हैं- नाटो होर्मुज को खोलने में मदद करे। जब नाटो मुकर जाता है, तो कहने लगते हैं कि नाटो गद्दार है, कायर है। गैस भरे दो जहाज होर्मुज जलमार्ग से भारत आ रहे हैं। भारत की विदेश नीति जिंदाबाद! विपक्ष के एक नेता- इधर कहां आ रहे हैं, वे तो अमेरिका जा रहे हैं। कुछ देर बार नेता जी अपनी पोस्ट उतार लेते हैं। दूसरे नेता- न गैस, न तेल, अपनी विदेश नीति फेलज बैठे हैं हम सिलेंडर लिए, कोई हमें उठाए क्यों। तीसरे नेता- 'पेनिक पेनिक' करते-करते बीती रे उमरिया।

अथ चुनाव की बहार और बंगाल का जादू। एक ओर मोदी की ललकार। इस बार आर या पारज अलविदा धमकी वाली सरकार। तुरंत आती जवाबी हुंकार कि एक बार फिर खेला होबेज खेला होबे..! इस बीच चुनाव आयोग का एलान- बंगाल के चुनाव दो चरण में। बाकी सब एक चरण में। अब तृणमूल कांग्रेस नाराज- पहले आठ चरण में चुनाव, तो अब दो चरण में क्योंज साजिश है साजिश है। चार मई, टीमएसी गई। फिर खबर की खबर- आधी रात में बंगाल के दो शीर्ष अधिकारियों के तबादलेज फिर कनिष्ठ अफसरों के तबादले। साजिश है साजिश है! हमें हराने की साजिश है, लेकिन सारी साजिश नाकाम होगीज तृणमूल ही आनी है। एक अमेरिकी विशेषज्ञ रिचर्ड वुल्फ- अमेरिकी साम्राज्य का पतन शुरूज अमेरिका फंसा इजराइल ने फंसायाज उसने सोचा नहीं था कि ईरान इस कदर प्रतिरोध करेगाज दांव उलटा पड़ाज लेने के देने पड़े। विपक्ष विलाप- तेल नहीं, गैस नहीं, रेस्तरां बंद, ढाबे बंद, महंगाई-महंगाई जनता बर्बाद। सत्ता प्रवक्ताओं का आलाप- तेल भी है, गैस भी है, विपक्ष लोगों को डराता है अराजकता फैलाता है।

फिर, एक सनसनीखेज खबर- ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुज्तबा खामेनेई हमले में घायल सुरक्षा मंत्री मृतज अंगुली की अंगूठी से पहचान। फिर एक प्रतिवादी खबर- नेतन्याहू कई दिन से गायब। जवाब में एक चैनल नेतन्याहू को 'काफी' पीते दिखाता है। एक वीडियो में वे कहते दिखते हैं कि शेर अभी जिंदा है। एक चैनल एक ईरानी प्रोफेसर के बयानों को प्रसारित करता है कि अमेरिका-इजराइल नहीं जानते कि वे किससे भिड़े हैंज्हम बता देंगे कि हम क्या हैं! क्या समझौता करेंगे? जवाब आता है कि नहींज हम सिर पर कफन बांध कर लड़ रहे हैंज्हम होर्मुज बंद कर उनको रुला देंगे। और सच! 'होर्मुज बंद' तो दुनिया बंद। दुनिया भर में हाय-हायज तेल की कीमतें चढ़ीं। एक अंग्रेजी चैनल खबर देता है कि दुनिया के सट्टा बाजार का भट्टा बैठा। अपना बाजार भी दस हजार अंक तक जा गिरा। जिस रात इजराइल ने कतर के सबसे बड़े गैस भंडार पर हमला किया, उस दिन से त्राहि-त्राहि मची फ्रांस, ब्रिटेन, जर्मनी आदि 'शांति शांति' का जाप करते दिखे कि युद्ध बंद करो। कुछ कहने लगे कि मोदी अकेले हैं जो बातचीत और शांति करा सकते हैं। मगर अपन भी बड़े होशियार कि हर हाल में 'ठंड' रखते हैं और किसी के उकसावे में नहीं आते। विपक्ष के नेता के इस व्यवहार पर एतराज करने वाले आला नागरिकों में ज्यादातर सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी, कुछ न्यायविद् और कुछ बुद्धिजीवी थे। एक बहस में एक अधिकारी जब एतराज जताने बैठे, तो उनको विपक्ष के प्रवक्ताओं से बहुत कुछ सुनना पड़ा कि इनमें से बहुत से ऐसे हैं, जिनको सत्ता से कुछ न कुछ चाहिए। एक ओर 'परंपरागत राजनीति' है, तो दूसरी ओर सत्ता को चिढ़ाने की राजनीति। परंपरागत राजनीति इसकी काट नहीं कर पाती। वह प्रतिक्रिया में सिर्फ खिसियाती रह जाती है। और अंत में, अंकल सैम का जवाब नहीं। अंकल अपने ही युद्ध में फंसे हैं। एक दिन कहते हैं- नाटो होर्मुज को खोलने में मदद करे। जब नाटो मुकर जाता है, तो कहने लगते हैं कि नाटो गद्दार है, कायर है। हमें उनकी जरूरत नहीं! फिर कहते हैं कि चाहूं, तो युद्ध को दो सेकंड में बंद कर दूंज। अब दुनिया कहने लगी है- युद्ध तुम्हारा, खर्च हमारा, नहीं चलेगा!

ईरान-इजरायल युद्ध का असर- भारत में बढ़ा महंगाई का खतरा

(अभिषेक पाण्डेय)

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण तेल-गैस ठिकानों पर हमलों से वैश्विक बाजार में दबाव बढ़ गया है। क्रूड कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर हैं और रुपया कमजोर होने से भारत की आयात लागत बढ़ रही है। प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल महंगे हुए हैं, जिससे उद्योगों की लागत बढ़ने और महंगाई बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। भारत के पेट्रोल मार्केट में इसके प्रीमियम वैरिएंट की हिस्सेदारी बहुत कम है, केवल 2 से 4 प्रतिशत तक। लेकिन, इसका 2.35 रुपये तक महंगा होना बताता है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से तेल-गैस पर दबाव बढ़ता जा रहा है और कंपनियों के लिए शायद बहुत देर तक इसे संभालना मुमकिन न रहे। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में भी बढ़ोत्तरी हुई है। रिफाइनरी पर हमले- मौजूदा संघर्ष में तेल-गैस ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद से ग्लोबल मार्केट में अफरातफरी का माहौल है। कुवैत ने बताया कि शुक्रवार को भी ईरान ने उसकी मीना अल अहमदी रिफाइनरी पर हमला किया, जिसके बाद इसके कुछ हिस्सों को बंद करना पड़ा। सऊदी, यूएई और कतर - इन सभी की उत्पादन क्षमता प्रभावित हुई है, जिससे सप्लाई चेन पर दबाव बढ़ा है।

गिरता रुपया- संकट से निपटने के लिए भारत अपने आयात में विविधता ला रहा है। लेकिन, क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमत परेशानी बनी हुई है। क्रूड अब भी 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर है, जबकि सऊदी अरब ने चेतावनी दी है कि अगर युद्ध जारी रहा तो दाम 180 डॉलर के पार भी जा सकता है। डॉलर के मुकाबले रुपये में गिरावट से भारत के लिए परेशानी और बढ़ गई है। उसे तेल की खरीद के लिए ज्यादा विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ रही है। शुक्रवार को रुपया टूटकर 93.71 पर पहुंच गया।

महंगाई का डर- भारत में तेल की कीमतें बाजार स्थितियों के हिसाब से कंपनियां तय करती हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्टैंडर्ड पेट्रोल के दाम नहीं बढ़े हैं, लेकिन आखिरकार प्रीमियम पेट्रोल और इंडस्ट्रियल डीजल का बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ेगा। इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में करीब 21 रुपये की बढ़ोत्तरी हुई है। इसका इस्तेमाल भारी उद्योगों और हेवी मशीनरी में किया जाता है। इसका दाम बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ सकती है, उद्योगों का मुनाफा घटेगा और कई सामान महंगे हो सकते हैं। कमर्शल एलपीजी संकट की वजह से पहले ही काफी असर पड़ रहा है।

वास्तविक समाधान- जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी समेत 6 देशों ने होर्मुज स्ट्रेट को आवाजाही के लिए सुरक्षित बनाने में सहयोग करने की बात कही है। यह बढ़ते ऊर्जा संकट का नतीजा है कि इन देशों को मजबूरी में इस मामले में उतरना पड़ रहा है। हालांकि वास्तविक समाधान अमेरिका-इस्राइल और ईरान के हाथ में है।

दिल्ली से मुंबई तक तपता भारत- क्या यह कुदरत की आखिरी चेतावनी है?

देश में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम संबंधी घटना नहीं रह गई है, बल्कि यह जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था से जुड़ा एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा बनती जा रही है। भारतीय मौसम विभाग ने वर्ष 2026 में गर्म मौसम की चेतावनी दी है। उसने कहा है कि मार्च से मई के बीच देश के कई हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहेगा। अधिक तापमान वाले दिनों की संख्या बढ़ सकती है। यह चेतावनी इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है।

(देवेंद्रराज कुमार)

भारत पहले से ही दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां अत्यधिक तापमान और गर्मी का प्रभाव बड़ी आबादी पर पड़ता है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि गर्मी का मौसम पहले शुरू हो रहा है और यह लंबे समय तक बना रहता है।

उदाहरण के लिए मार्च 2026 के पहले सप्ताह में ही दिल्ली में तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग सात डिग्री अधिक था। पिछले पंद्रह वर्षों में मार्च के शुरुआती सप्ताह में इतना अधिक तापमान पहली बार महसूस किया गया। यह केवल एक शहर तक सीमित नहीं था, बल्कि देश के कई हिस्सों में इसी तरह की स्थिति देखी गई।

पिछले कई दशक के आंकड़े बताते हैं कि भारत का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। यह वृद्धि लगभग 0.15 डिग्री सेल्सियस प्रति दशक की दर से दर्ज की गई है। जब तापमान में ऐसी निरंतर वृद्धि होती है, तो इसका सीधा प्रभाव तापमान की आवृत्ति और तीव्रता पर पड़ता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत में गर्मी और लू की लहरें अधिक लंबी और खतरनाक हो सकती हैं। भारतीय मौसम विभाग की चेतावनी केवल मौसम का अनुमान नहीं है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक चेतावनी है कि जलवायु संकट की चुनौती अब स्पष्ट रूप से हमारे सामने है। पिछले कुछ वर्षों में तापमान की आवृत्ति और तीव्रता दोनों ही बढ़ी हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों में अक्सर तापमान चालीस डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है।

इस साल मार्च के दौरान मुंबई में तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो सामान्य से लगभग छह डिग्री अधिक था और इस कारण मौसम विभाग को चेतावनी जारी करनी पड़ी। इसी प्रकार पुणे में भी तापमान 38.5 डिग्री तक पहुंच गया और कई जिलों में तापमान चालीस डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया। यह स्पष्ट संकेत है कि गर्मी की शुरुआत पहले हो रही है और इसका विस्तार अधिक व्यापक हो रहा है।

यह केवल तापमान की वृद्धि नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन, कृषि, जल संसाधन और ऊर्जा प्रणाली पर व्यापक प्रभाव डालती है। अत्यधिक गर्मी के कारण खेतों में नमी

कम हो जाती है, फसलें प्रभावित होती हैं। जल स्रोत सूखने लगते हैं। इसके अलावा बिजली की मांग बढ़ जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से लगातार बढ़ रहा है।

इसका मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, औद्योगिक प्रदूषण और वनों की कटाई है। जब वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ती है, तो पृथ्वी की सतह पर अधिक गर्मी बनी रहती है, जिससे वैश्विक तापमान बढ़ता है। भारत जैसे उष्णकटिबंधीय देशों में इसका प्रभाव और अधिक तीव्र रूप में दिखाई देता है। शोध बताते हैं कि जलवायु संकट के कारण अत्यधिक तापमान वाली घटनाओं की संख्या और अवधि दोनों बढ़ रही हैं। इससे मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि जब तापमान बहुत अधिक हो जाता है, तो शरीर की तापमान नियंत्रित करने की क्षमता प्रभावित होती है, जिससे निर्जलीकरण, लू लगने और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ जाती हैं। भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण भी अत्यधिक तापमान की समस्या को गंभीर बना रहा है। शहरों में विकास कार्यों के दौरान बड़ी मात्रा में कंक्रीट, डामर और धातु जैसी सामग्री का उपयोग होता है जो सूर्य की गर्मी को अधिक अवशोषित करती हैं और लंबे समय तक उसे रोक कर रखती हैं। इस कारण शहरों में तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो जाता है। जब शहरों में पेड़ों और हरित क्षेत्रों की संख्या कम होती है, तो यह प्रभाव और भी बढ़ जाता है। कई बड़े शहरों में ऊंची इमारतों के कारण हवा का प्रवाह कम हो जाता है, जिससे गर्मी अधिक महसूस होती है। जब शहरों में हरित क्षेत्र कम होते हैं, तो प्राकृतिक शीतलन प्रक्रिया कमजोर हो जाती है और वातावरण में बनी गर्मी रात में भी पूरी तरह कम नहीं हो पाती। इसलिए शहरी नियोजन में हरित क्षेत्रों का संरक्षण और विस्तार अत्यंत आवश्यक है। अत्यधिक तापमान का सबसे गंभीर प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है। शरीर में पानी की कमी हो जाती है। रक्तचाप तथा हृदय गति पर भी प्रभाव पड़ता है। लू लगने जैसी स्थिति बढ़ जाती है जो कई बार जानलेवा साबित होती है। बुजुर्ग, बच्चे, गर्भवती महिलाएं और पहले से बीमार लोग विशेष रूप से अधिक जोखिम में होते हैं। भारत में बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं, जैसे किसान, निर्माण श्रमिक और फुटकर विक्रेता।

उन्हें अत्यधिक गर्मी का सीधा सामना करना पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि समय रहते सावधानी न बरती जाए, तो अत्यधिक तापमान और लू सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट पैदा कर सकते हैं। इसलिए सरकार और समाज दोनों को मिल कर इसके प्रभाव को कम करने के उपाय अपनाने होंगे। साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करनी होगी।

भारत जैसे देश में जहां बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर है, वहां यह समस्या और गंभीर हो सकती है। इसके अलावा पशुधन पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, जल संसाधनों पर भी इसका दबाव बढ़ता है, क्योंकि गर्मी के कारण पानी की मांग बढ़ जाती है। कई क्षेत्रों में भू-जल स्तर पहले से ही गिर रहा है। इसलिए सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और समाज मिल कर जलवायु अनुकूल विकास की दिशा में काम करें। हरित ऊर्जा का उपयोग, वनों का संरक्षण, जल संसाधनों का सतत प्रबंधन और शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों को बढ़ावा इस दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

लोगों को भी अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। साथ ही उन्हें ऊर्जा की भी बचत करनी होगी। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहना होगा। यदि हम सामूहिक प्रयास करें, तो बढ़ती गर्मी की चुनौती का सामना किया जा सकता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

वीवो वाय51 प्रो 5जी: दमदार परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफऔर स्मार्ट फीचर्स से लैस स्मार्टफोन

नईदिल्ली। वीवो ने हाल ही में अपनी लोकप्रिय वाय-सीरीज़ का विस्तार करते हुए वीवो वाय51 प्रो लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन उन यूज़र्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस, मजबूत बैटरी लाइफ और स्मार्ट फीचर्स को एक स्टाइलिश पैकेज में चाहते हैं। रोज़मर्रा के उपयोग और लंबे समय तक चलने वाली पावर पर फोकस करते हुए, यह डिवाइस सक्षम हार्डवेयर और स्मार्ट सॉफ्टवेयर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है।

बेहतरीन परफॉर्मेंस और लंबी बैटरी लाइफइस डिवाइस के केंद्र में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7360 टर्बो चिपसेट दिया गया है, जो रोज़मर्रा के काम, एंटरटेनमेंट और गेमिंग के लिए भरोसेमंद पर फॉर्मेंस देता है। इसकी एफिशिएंट आर्किटेक्चर मल्टीटास्किंग और लंबे गेमिंग सेशन्स को आसानी से संभालती है, साथ ही थर्मल एफिशिएंसी भी बनाए रखती है। 920,000 से अधिक के AnTuTu स्कोर के साथ, यह फोन स्मूद और रिस्पॉन्सिव परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है। 8GB तक रैम, एक्सटेंडेड रैम सपोर्ट और 128GB/256GB स्टोरेज के साथ यह डिवाइस ऐप्स के बीच स्मूद ट्रांज़िशन और स्टेबल बैकग्राउंड परफॉर्मेंस देता है।

स्मार्टफोन की मुख्य खासियतों में से एक इसकी बड़ी 7200 mAh बैटरी है, जो 44W FlashCharge के साथ आती है, जिससे यह डिवाइस उन यूज़र्स के लिए मजबूत विकल्प बन जाता है जो पूरे दिन तक चलने वाली पॉवर को प्राथमिकता देते हैं। चाहे कंटेंट स्ट्रीम करना हो, सोशल मीडिया ब्राउज़ करना हो या गेमिंग, यह फोन आराम से पूरे दिन और उससे भी अधिक, कम से कम 2 दिनों तक चलता है। वीवो ने बैटरी मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी भी दी है, जो बैटरी हेल्थ को लंबे समय तक बनाए रखती है और 6 साल तक बेहतर बैटरी परफॉर्मेंस का भरोसा देती है। साथ ही, रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट से आप अन्य डिवाइसेज़ को भी चार्ज कर सकते हैं।

रोज़मर्रा की फोटोग्राफी के लिए भरोसेमंद कैमरा फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए इसमें 50एमपी एचडी वाइड-एंगल मेन कैमरा दिया गया है, जो अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन्स में शानदार और शार्प तस्वीरें कैप्चर करता है। एआई - आधारित फीचर्स फोटो को बेहतर क्लैरिटी और कलर बैलेंस देते हैं, जबकि EIS (इलेक्ट्रॉनिक इमेज स्टेबिलाइजेशन) फोटो और वीडियो को स्टेबल बनाए रखता है। ड्यूल व्यू वीडियो फीचर के जरिए यूज़र फ्रंट और रियर कैमरे से एक साथ वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं, जो व्लॉगिंग और ट्रैवल स्टोरीज़ के लिए बेहतरीन है। लाइव फोटो फीचर शटर से पहले और बाद के कुछ पलों को कैप्चर करके यादों को और जीवंत बनाता है।

IP68 और IP69 रेटिंग के साथ यह फोन अंडरवॉटर फोटोग्राफी को भी सपोर्ट करता है, जिससे आप पानी में भी बेफिक्र होकर फोटो ले सकते हैं। लाइव फोटो फीचर हमें यादों को सुरक्षित रखने में भी मदद करता है। वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए इसमें 4K सपोर्ट भी दिया गया है, जिससे यूज़र हाई-क्वालिटी वीडियो शूट कर सकते हैं। ओरिजिन ओएस 6 के साथ स्मार्ट फीचर्स यह स्मार्टफोन पहली बार वीवो की वाई सीरीज़ में ओरिजिनओएस 6 लेकर आता है, जिसमें कई इंटेलिजेंट एआई फीचर्स शामिल हैं, जो स्मूद और प्रोडक्टिविटी-फोकस्ड परफॉर्मेंस देते हैं। यह सॉफ्टवेयर एक्सपीरियंस एआई-ड्रिवन टूल्स के साथ आता है, जो रोज़मर्रा के कामों को आसान बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

सैमसंग ने भारत में आकर्षक ऑफर्स के साथ गैलेक्सी ए 57 5जी और गैलेक्सी ए 37 5जी पेश किए

गुरुग्राम। सैमसंग, भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज गैलेक्सी ए 57 5जी और गैलेक्सी ए 37 5जी लॉन्च किए। ये दोनों स्मार्टफोन गैलेक्सी ए सीरीज़ के नए मॉडल हैं, जिन्हें खासतौर पर उन युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है जो फोटोग्राफी, परफॉर्मेंस, एआई-इनेबल्ड रोज़मर्रा के फीचर्स और ड्यूरेबिलिटी को प्राथमिकता देते हैं।

नई डिजाइन लैंग्वेज और बेहतर ड्यूरेबिलिटी- गैलेक्सी ए 57 5जी में एल्यूमिनियम फ्रेम दिया गया है, और 6.9 एमएम की मोटाई के साथ यह अब तक का सबसे पतला गैलेक्सी ए सीरीज़ डिवाइस है। गैलेक्सी ए 57 5जी के पतले बेज़ल्स डिवाइस के विजुअल बैलेंस को बेहतर बनाते हैं और देखने के अनुभव को ज्यादा शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस देते हैं।

गैलेक्सी ए 57 5जी में 120 हर्ट्ज़ रिफ्रेश रेट के साथ विज़न बूस्टर टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें 1900 निट्स की पीक ब्राइटनेस है, जिससे यूज़र्स बाहर भी कंटेंट साफ देख सकते हैं और एचडीआर कंटेंट का बेहतर आनंद ले सकते हैं। गैलेक्सी ए 57 5जी और गैलेक्सी ए 37 5जी दोनों में आगे और पीछे गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्लस दिया गया है, जो स्क्रैचेस और गिरने से बेहतर रेजिस्टेंस देता है। इन डिवाइस में आईपी68 रेटिंग भी दी गई है, जिससे ये पानी और धूल से सुरक्षित रहते हैं।

शून्य दुर्घटना पर कार्यशाला में दिया गया जोर

श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना उद्योगों की जिम्मेदारी

बिलासपुर। औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में आयोजित एकदिवसीय औद्योगिक सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री सुनील जैन, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह, आईएचएस के संचालक श्री मनीष श्रीवास्तव ने संबोधित किया। कार्यशाला में औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के डिप्टी डायरेक्टर विजय कुमार सोरी, प्रदेश के विभिन्न जिलों से औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधन एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस कार्यशाला का उद्देश्य क्षेत्र की स्पॉन्ज आयरन फैक्ट्रियों में सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने स्पष्ट कहा कि औद्योगिक सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि उद्योगों का उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना नहीं, बल्कि देश के विकास में योगदान देने के साथ-साथ श्रमिकों के

जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी है। दुर्घटनाएं भले ही क्षणिक होती हैं, लेकिन उनके दुष्परिणाम लंबे समय तक प्रभावित करते हैं। इसलिए औद्योगिक इकाइयों में जोखिम की पहचान कर समय रहते उचित प्रबंधन, आधुनिक सुरक्षा उपकरणों की स्थापना, नियमित प्रशिक्षण एवं मेंटेनेंस सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कहा कि उद्योग देश के विकास और रोजगार सृजन का प्रमुख माध्यम हैं, लेकिन किसी भी दुर्घटना से न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि संस्थान की साख भी प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि प्रबंधन और श्रमिकों के सामूहिक प्रयास से ही सुरक्षित कार्य वातावरण निर्मित किया जा सकता है। श्रमिकों को नियमित प्रशिक्षण देने, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने तथा उनमें स्वामित्व की भावना विकसित करने पर उन्होंने विशेष बल दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं। सुरक्षा उपकरणों का उपयोग न करना गंभीर घटनाओं को जन्म देता है, जिसमें मानव लापरवाही प्रमुख कारण होती है। उन्होंने जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने तथा किसी भी घटना की स्थिति में उसे छुपाने के बजाय तत्काल प्रशासन को सूचित करने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में औद्योगिक इकाइयों द्वारा सुरक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों पर प्रस्तुतियां दी गईं तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से श्रमिकों एवं प्रबंधन को जागरूक किया गया। पावर पॉइंट प्रस्तुति एवं संवादात्मक सत्रों के जरिए प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में सुरक्षा की शपथ भी ली गई। इस आयोजन के माध्यम से औद्योगिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया गया।

खनिजो के अवैध उतखनन व परिवहन पर 01 जे सी बी 03 हाइवा व 10 ट्रेक्टर ट्राली कुल 14 वाहन जप्त

बिलासपुर। कलेक्टर महोदय के निर्देशानुसार एंव उप संचालक महोदय के मार्गदर्शन मे जिला बिलासपुर में खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एंव भण्डारण पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। दिनांक 23/03/2026, 24/03/2025 व 25/03/2026को खनिज अमला बिलासपुर द्वारा काठकोनी, देवरीखुर्द, खम्हरिया, सकरी, निरतु, सेंदरी, मंगला, तुरकाडीह, लोखंडी, लोफण्डी, दर्रीघाट, लावर, जयरामनगर कोटा, करही कछार, पहन्दा क्षेत्र की जाँच की गयी। जाँच के दौरान खम्हरिया क्षेत्र से खनिज मिट्टी का अवैध उतखनन करते 01 जे सी बी व 01 ट्रैक्टर ट्राली जप्त किया गया। सकरी क्षेत्र से खनिज मिट्टीईट का अवैध परिवहन करते 02 ट्रैक्टर

ट्राली जप्त किया गया। जयरामनगर क्षेत्र से खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते 03 हाइवा 01ट्रैक्टर ट्राली वाहन को जप्त किया गया। सेंदरी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 03 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया। करही कच्छार क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त किया गया। पहँदा क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया।लोफण्डी क्षेत्र से खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 01 ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया गया। इस प्रकार जप्त कुल 14 वाहनों को पुलिस थाना कोनी, कोटा, पुलिस सहायता केंद्र केंदा व जाँच चौकी लावर की अभिरक्षा मे रखा गया है।खनिजों के अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार कार्यवाही जारी है।

सिम्स स्वशासी समिति की बैठक, अस्पताल और कॉलेज में सुविधाएं बढ़ाने लिए गए अहम निर्णय

■ संभागायुक्त ने अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बिलासपुर। संभागायुक्त श्री सुनील जैन की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स) की स्वशासी समिति (प्रबंधकारिणी सभा) की बैठक आज सिम्स के नवीन काउंसिल कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के बाद संभागायुक्त ने चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने वार्ड, ओपीडी एवं अन्य प्रमुख इकाइयों का अवलोकन कर साफ-सफाई, उपचार व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। बैठक में सिम्स ऑडिटोरियम में केंद्रीकृत वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना, भवन मरम्मत एवं अन्य सिविल कार्य, जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, महाविद्यालय भवन में अतिरिक्त निर्माण एवं वाटर प्रूफिंग सहित विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके साथ ही संस्थान के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह की तैयारी मरीजों को दी जा रही सुविधाओं के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर सदस्य सचिव और डीन श्री रमनेश मूर्ति, डिप्टी कमिश्नर डॉ. स्मृति तिवारी, अस्पताल अधीक्षक श्री लखन सिंह, नोडल अधिकारी डॉ. भूपेन्द्र कश्यप भी मौजूद थे। बैठक में संस्थान के शैक्षणिक, चिकित्सकीय एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कर कई अहम निर्णय लिए गए। संभागायुक्त ने करने का निर्णय लिया गया।

स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन और कोलंबिया कॉलेज द्वारा रायपुर में अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर: स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन ने कोलंबिया कॉलेज, रायपुर के सहयोग से अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें छत्तीसगढ़ के प्री-सर्विस शिक्षकों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता पिछले दो महीनों से आयोजित की जा रही थी, जिसका यह अंतिम चरण था। यह प्रतियोगिता रायपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, कोरबा और बिलासपुर जिलों में दो चरणों में आयोजित की गई, जिसमें 11 कॉलेजों के छात्र-शिक्षकों ने भाग लिया। कुल 21 प्रतिभागियों का चयन अंतिम चरण के लिए किया गया, जिन्होंने अपने टीचिंग प्लान प्रस्तुत किए।

टीचिंग प्लान प्रभावी कक्षा शिक्षण का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह शिक्षकों को पाठ्यवस्तु को व्यवस्थित करने, स्पष्ट शिक्षण उद्देश्यों को निर्धारित करने और छात्र-केंद्रित एवं रोचक शिक्षण गतिविधियों की योजना बनाने में मदद करता है। अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने माइक्रो-टीचिंग के माध्यम से अपने टीचिंग प्लान का वास्तविक कक्षा जैसी परिस्थितियों में प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों में अवधारणाओं की स्पष्टता, प्रभावी शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों को जोड़ने की क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

यह कार्यक्रम सह-अधिगम (peer learning) का भी एक मंच बना, जहाँ प्रतिभागियों ने एक-दूसरे की शिक्षण शैली और तरीकों से सीखने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई, जिसके बाद शिक्षा विशेषज्ञों और अकादमिक नेतृत्व द्वारा संबोधन दिए गए। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में श्री किशोर जाधवानी, चांसलर, कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी; श्री हरजीत सिंह होरा, प्रो-चांसलर; प्रो. रमन कुमार झा; तथा डॉ. अरुण कुमार दुबे, प्राचार्य, कोलंबिया कॉलेज उपस्थित रहे।

स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन की ओर से डॉ. एंटनी नेलिस्सेरी (हेड), पुष्पा चंदेल (चीफमैनेजर - अकादमिक कंटेंट एवं डिजिटल लर्निंग), पंकज गुराव (असिस्टेंट मैनेजर - ऑपरेशंस), रघुनाथन नायर, रितेश कुमार, मनवेंद्र सिंह (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) और यश घाटगे (कम्युनिकेशंस) उपस्थित रहे।

प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने कहा, एक सशक्त टीचिंग प्लान प्रभावी शिक्षण की नींव होता है। जब शिक्षक स्पष्ट उद्देश्य और योजना के साथ पढ़ाते हैं, तो विद्यार्थियों की समझ और सहभागिता बेहतर होती है। डॉ. एंटनी नेलिस्सेरी ने कहा, स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन का मानना है कि मजबूत कक्षाओं की शुरुआत अच्छे से तैयार शिक्षकों से होती है। टीचिंग प्लान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि शिक्षक सीखने की प्रक्रिया को कैसे समझता है। ऐसी पहलें भावी शिक्षकों को व्यवहारिक और प्रभावी शिक्षण कौशल विकसित करने में मदद करती हैं।

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./330/प्र./ना. तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक युवराज जोशी पिता प्रकाश जोशी उम्र लगभग 26 वर्ष जाति सतनामी निवासी ग्राम आन्दू तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा आवेदक अपने माता का मृत्यु ग्राम आन्दू, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 10.03.2003 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः आवेदक अपने माता अम्बे बाई पति प्रकाश का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक - 09/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 24-03-26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र.// प्र.1/तह./2026
बेमेतरा, दिनांक..
रा.प्र.क्र., ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवनारायण निर्मलकर पिता मुरली निर्मलकर निवासी ग्राम वार्ड नं. 21 बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा के द्वारा इस न्यायालय के समक्ष अपने दादी राजमती निर्मलकर पति रामजी निर्मलकर के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पेश किया गया है। जिनकी मृत्यु दिनाँक 04.06.2024 को ग्राम बेमेतरा तहसील व जिला बेमेतरा में होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त आवेदन पत्र के संबंध में जिस किसी को दावा/आपत्ति हो तो वे नियत पेशी तारीख 08/04/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनाँक 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./255/प्र./ना. तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक मयाराम पिता बीरूराम उम्र लगभग 49 वर्ष जाति राउत निवासी ग्राम ढारा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा आवेदक अपने पिता बीरूराम पिता कार्तिक राम का मृत्यु ग्राम ढारा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 21.03.2025 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः आवेदक अपने पिता बीरूराम पिता कार्तिक राम का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 30/03/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 11-3-2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.के. 2603230300030/160/ अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर जेवरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका हेमलता जनार्दन पति राजेश जनार्दन निवासी वार्ड नं. 09 बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा द्वारा ग्राम/नगर जेवरा प.ह.नं. 34 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 688/1 रकबा 0.07 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/03/2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदिका दुलौरिनबाई पति मन्नूलाल साहू, निवासी ग्राम घोंठा, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 13 तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 1148/5 रकबा 0.03 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदिका विजयलक्ष्मी दीवान पति शक्तिधर दीवान, निवासी ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम दौनाडीह, प.ह.नं. 05 तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 52/3, 53/1, 53/2, रकबा 0.03, 0.03, 0.03 हे. कुल ख.नं. 03 कुल रकबा 0.09 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदिका विजयलक्ष्मी दीवान पति शक्तिधर दीवान, निवासी ग्राम नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम दौनाडीह, प.ह.नं. 05 तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 57/1, 57/2, 58/1, 58/2 रकबा 0.04, 0.06, 0.07, 0.04 हे. कुल ख. नं. 04 कुल रकबा 0.21 हेक्टेयर को आवासीय सह व्यावसायिक प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र. / अ-2 वर्ष 2025-26

आवेदक मनोज कुमार पिता नंदकुमार साहू, निवासी तिलकापारा नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 15 तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 760 रकबा 0.43 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 20/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

क्र./211/प्र./ ना. तह. / 2026
रा.प्र.क्र ब-121 वर्ष 2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की आवेदक सन्तु सिन्हा पिता फत्तुराम सिन्हा उम्र लगभग 65 वर्ष जाति कलार निवासी ग्राम वावामोहतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) के द्वारा आवेदक अपने पिता फत्तुराम पिता रामचरण सिन्हा का मृत्यु ग्राम बावामोहतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.) में दिनांक 25-10-1990 को होना और भूलवश मृत्यु का पंजीयन नही करा पाना बताया गया है। अतः आवेदक अपने पिता फत्तुराम पिता रामचरण सिन्हा का मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा आपत्ति हो तो वह नियत पेशी 30-03-2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक उपस्थित होकर अपने दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

उक्त तिथी के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 11-03-2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मोहर सहित ईश्तहार जारी।

नायब तहसीलदार
बेमेतरा (छ.ग.)

मुहर

संक्षिप्त समाचार

उड़ान भरते ही दर्दनाक हादसा, कोलंबिया में सैन्य विमान क्रैश

बोगोट, एजेंसी। लातिन अमेरिकी देश कोलंबिया के दक्षिण पश्चिम हिस्से में 125

लोगों को ले जा रहा एक सैन्य मालवाहक विमान सोमवार को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इंटरनेशनल डेस्क : लातिन अमेरिकी देश कोलंबिया के दक्षिण पश्चिम हिस्से में 125 लोगों को ले जा रहा एक सैन्य मालवाहक विमान सोमवार को उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अबतक कम से कम 48 लोगों को जिंदा बचाया गया है। कोलंबिया के रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि यह दुखद हादसा पुटुमायो प्रांत के एक दूरस्थ नगर पालिका पुएर्टो लेगुइज़ामो में हुई, जो पेरू और इक्वाडोर की सीमा से लगता है। स्थानीय मीडिया द्वारा ऑनलाइन साझा की गई तस्वीरों में विमान दुर्घटनास्थल से काले धुएं का बादल उठता हुआ और सैनिकों से भरा एक ट्रक घटनास्थल की ओर तेजी से जाता हुआ दिखाई दे रहा है। कोलंबियाई वायु सेना के कमांडर कार्लोस फर्नांडो सिल्वा ने बाद में एक वीडियो संदेश में बताया कि हरक्यूलिस सी-130 विमान में 114 यात्रियों और 11 चालक दल के सदस्यों सहित कुल 125 लोग सवार थे। उन्होंने कहा कि दुर्घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है और कम से कम 48 लोगों को जीवित बचा लिया गया है।

फिल्म का असर या खौफ का माहौल, धुरंदर 2 से पाकिस्तान में मची खलबली

इस्लामाबाद, एजेंसी। रणवीर सिंह की स्पाई

एक्शन सीक्वल फिल्म धुरंधर- द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर तूफानी रफ्तार से कमाई कर रही है। एक तरफ जहां दुनियाभर में इस फिल्म की रिलीज के बाद जहां एक तरफ दर्शकों में उत्साह है, वहीं पाकिस्तान में इसे लेकर अलग ही हलचल देखने को मिल रही है। कराची के ल्यारी इलाके में पुलिस ने बड़े स्तर पर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस संकरी गलियों में गश्त और हर संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ कर रही है। वायरल वीडियो के मुताबिक पुलिस भिखारियों की भी जांच कर रही है, सो रहे लोगों को उठाकर पूछताछ की जा रही है। हालात ऐसे हैं कि कोई भी शक के दायरे से बाहर नहीं। पाकिस्तान की सेना में बगावत! कटघरे में आर्मी चीफ असीम मुनीर, पूर्व एजेंट के वीडियो ने मचाया... बताया जा रहा है कि फिल्म के एक काल्पनिक किरदार 'हमजा अली मजारी' से प्रेरित होकर पुलिस संभावित जासूसों की तलाश में जुटी है। पाकिस्तान में इस फिल्म पर बैन लगा दिया गया है, लेकिन लोग पायरेटेड वर्जन देख रहे हैं, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड में आ गई हैं। फिल्म में दिखाए गए जासूसी तरीकों के कारण वहां की एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और हर गतिविधि पर नजर रख रही हैं। फिल्म ने अब तक करीब 488 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है, हालांकि कलेक्शन में हल्की गिरावट भी देखी गई है।

शांति वार्ता के दावों के बावजूद नहीं थम रहे हमले, ईरान के कई शहरों में हुए धमाके

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 25वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। शांति वार्ता की चर्चाओं के बीच ईरान के कई शहरों पर हमले हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के तेहरान, तबरिज, इस्फहान और करज जैसे शहरों में हवाई हमले हुए हैं। ये हमले बीते 24 घंटे के दौरान हुए हैं। इन शहरों में धमाकों की आवाजें सुनी गई हैं। ईरान के एक सांसद ने अमेरिका के साथ बातचीत शुरू करने से पहले देश के नेतृत्व को आगाह किया है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी ऐसा हुआ है, जब ईरान अमेरिका के साथ शांति वार्ता कर

रहा था तो अमेरिका की तरफ से हमले किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने हमसे बातचीत को लेकर झूठ बोला। ईरानी संसद के सदस्य और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य इस्माइल कोवसारी ने कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू झूठे हैं और वे बांटने में विश्वास रखते हैं। इस्राइली सेना ने एक बयान में कहा है कि इस्राइली एयर डिफेंस को सक्रिय किया गया है क्योंकि ईरान की तरफ से मिसाइल हमला हुआ है। सेना ने लोगों को निर्देश मिलते ही बंकर में जाने की सलाह दी है। कुवैती सेना ने कहा है कि उन पर मिसाइल और ड्रोन्स से हमला हुआ, जिसे कुवैत के एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक लिया। हालांकि कुछ ड्रोन्स कुवैत की सीमा में गिरे हैं। कुवैत सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षा निर्देशों का सख्ती से पालन करें। ईरान के अधिकारियों से इस हफ्ते अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, यूएस विशेष शांति मिशन प्रतिनिधि स्टीव विटकोफ और पूर्व सीनियर एडवाइजर जैरेड कुशनर की संभावित बैठक को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। लीविट ने कहा ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चाएं हैं और अमेरिका प्रेस के माध्यम से कोई बातचीत नहीं करेगा। स्थिति लगातार बदल रही है, इसलिए किसी भी बैठक के बारे में अटकलों को अंतिम न मानें जब तक व्हाइट हाउस द्वारा आधिकारिक रूप से घोषणा नहीं की जाती।

क्या जंग थमेगी या और भड़केगी ट्रंप बातचीत में, नेतन्याहू हमले तेज करने के मूड में

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। अमेरिका-इज़राइल-ईरान जंग के 24 दिन पूरे हो गए हैं। एक तरफ कूटनीतिक बातचीत की हलचल तेज हुई है, तो दूसरी तरफ सैन्य गतिविधियां भी जारी हैं। मध्य पूर्व में तनाव के बीच

इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलग-अलग रुख ने हालात को और गंभीर बना दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 23 तारीख को बड़ा फैसला लेते हुए ईरान के पावर प्लांट्स पर हमले को 5 दिन के लिए टाल दिया और कहा कि ईरान के साथ शांति वार्ता जारी है। यानी अमेरिका फिलहाल बातचीत से समाधान चाहता है। ट्रंप से फोन पर बात करने के बाद इजराइल के पीएम नेतन्याहू ने कहा कि हम ईरान और लेबनान पर हमले लगातार जारी रखेंगे, यह रुकने वाला नहीं है, हम अपने हितों की हर हाल में रक्षा करेंगे। नेतन्याहू के मुताबिक ईरान के मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम को नुकसान पहुंचा भारी झटका लगा। उन्होंने हाल ही में 2 ईरानी परमाणु वैज्ञानिकों को मार गिराने का दावा भी किया है। यह स्थिति साफ दिखाती है कि अमेरिका बातचीत और समझौता चाहता है जबकि इजराइल सैन्य दबाव बनाए रखना चाहता है। दोनों के लक्ष्य अलग-अलग नजर आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान के पास 60त्न से ज्यादा समृद्ध करीब 400 किलो यूरेनियम है। इससे 10-11 परमाणु हथियार बनाए जा सकते हैं।

पश्चिम एशिया के संघर्ष में सऊदी-यूएई भी कूदेंगे! ऑपरेशन प्रॉमिस का 78वां दौर शुरू

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध चौथे सप्ताह में पहुंच गया है लेकिन स्थिति कहीं से भी सामान्य होती नहीं दिख रही है। एक तरफ ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों की एक नई और भीषण लहर शुरू की है। वहीं दूसरी तरफ सऊदी अरब और यूएई जैसे देश भी अब इस संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने की तैयारी करते दिख रहे हैं। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने मंगलवार को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के 78वें चरण की घोषणा की। इसके तहत इस्राइल के डिमोना, तेल अवीव और ईलाट जैसे अत्यधिक संवेदनशील ठिकानों के साथ-साथ पूरे क्षेत्र में स्थित कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इन हमलों में इमाद और काद्र (मल्टी-वारहेड) मिसाइल प्रणालियों और हमलावर ड्रोनों का इस्तेमाल किया है। आईआरजीसी का दावा है कि हालिया हमलों में डिमोना और अराद शहर में 200 से अधिक लोग हताहत हुए थे।

सऊदी अरब-यूएई के रुख में बदलाव

दूसरी ओर वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान के खिलाफ युद्ध में शामिल होने के संकेत दिए हैं। सऊदी अरब ने अमेरिका को अपने किंग फाहद एयर बेस तक पहुंच प्रदान करने पर सहमति जताई है, जबकि पहले वह अपने एयर बेस के इस्तेमाल से इनकार करता रहा था। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। वहीं, यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है, जो तेहरान के लिए अहम

माने जाते थे। यूएई की हवाई रक्षा प्रणाली भी ईरानी हमलों को रोकने में जुटी है। कुछ वीडियो से यह भी संकेत मिले हैं कि ईरान पर हमलों के लिए बहरीन से मिसाइलें दागी गई थीं।

कुवैत में बिजली संकट

इस युद्ध की आग में पड़ोसी देशों भी झुलस रहे हैं। मंगलवार तड़के कुवैत में हवाई रक्षा प्रणालियों द्वारा मिसाइलों को रोकने के दौरान गिरे मलबे से सात बिजली ट्रांसमिशन लाइनें क्षतिग्रस्त हो गई हैं, जिससे कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है। अधिकारी बिजली सेवा बहाल करने में जुटे हैं।

ट्रंप ने होर्मुज खोलने की समयसीमा बढ़ाई

इस तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोलने के लिए दी गई समयसीमा बढ़ा दी है और पांच दिनों के लिए ईरानी बिजली संयंत्रों पर हमले टाल दिए हैं। ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान समझौता करना चाहता है और उनके दूत स्टीव विटकॉफ व जेरेड कुशनर एक ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, ईरानी अधिकारियों ने फिलहाल किसी भी बातचीत से इनकार किया है। बता दें कि अब तक इस युद्ध में 2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था चरमरा गई है, तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं और दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई मार्गों पर खतरा पैदा हो गया है।

इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है। यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस

घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें। वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

रूस दे रहा है ईरान को खुफिया मदद, हमारे पास इस बात के सबूत; जेलेंस्की ने किया बड़ा दावा

कीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते तनाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बड़ा दावा किया है। मंगलवार को जेलेंस्की ने कहा कि उनके पास इस बात के पुख्ता सबूत हैं कि रूस, ईरान को युद्ध के लिए खुफिया जानकारी (इंटेलिजेंस सपोर्ट) मुहैया करा रहा है। जेलेंस्की के अनुसार, रूस की यह मदद ईरान को युद्ध में टिके रहने में मदद कर रही है और इससे संघर्ष और लंबा खिंच रहा है। इस बात के सबूत मिले हैं कि रूसी सरकार ईरानी शासन को खुफिया सहायता दे रहा है। यह स्पष्ट रूप से विनाशकारी है और इसे रोकना आवश्यक है, क्योंकि इससे केवल अस्थिरता ही बढ़ती है। बाजार पहले से ही नकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं और इससे कई देशों में उर्जा जरूरत की स्थिति गंभीर हो रही है। ईरानी शासन को सत्ता में बने रहने और अधिक सटीक हमले करने में मदद करके, रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। इसका जवाब देना होगा।

रूस ने ईरान के बीच बातचीत इसी बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची

से फोन पर बात की। रूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने फारस की खाड़ी में अमेरिका और इस्राइल की आक्रामकता के कारण बिगड़ते हालात पर चर्चा की। उन्होंने इस संघर्ष के कैस्पियन क्षेत्र तक फैलने की आशंका पर भी चिंता जताई।

ईरान जंग का असर: चीन ने बढ़ाए पेट्रोल-डीजल के दाम

संकट की तैयारी शुरू

बीजिंग, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष का असर अब सीधे चीन की अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। संभावित ईंधन संकट को देखते हुए चीन ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी है। यह फैसला लिया है। सरकारी बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में असामान्य बढ़ोतरी को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। इसका मकसद देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखना, आम लोगों पर असर कम करना और ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। नई दरों के तहत पेट्रोल (गैसोलीन) की कीमत में 1160 युआन प्रति टन की बढ़ोतरी, डीजल की कीमत में 1115 युआन प्रति टन की बढ़ोतरी की गई है। इस घोषणा के बाद चीन में बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंपों पर पहुंच गए और अपने वाहनों में ईंधन भरवाने लगे, जिससे संभावित संकट की गंभीरता साफ दिखाई दे रही है। इस संकट की जड़ में स्दुनिया का सबसे अहम तेल परिवहन मार्ग है। यहां से करीब 20त्न वैश्विक ऊर्जा सप्लाई गुजरती है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के कारण इस मार्ग पर खतरा बढ़ गया है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। चीन की स्थिति इसलिए ज्यादा संवेदनशील है क्योंकि वह अपनी जरूरत का करीब 70त्न कच्चा तेल आयात करता है। इसमें से लगभग 45त्न तेल होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते आता है यानी कुल सप्लाई का लगभग 30त्न हिस्सा सीधे इस मार्ग पर निर्भर है।हालांकि विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन ने इस खतरे को कम करने के लिए कुछ मजबूत कदम पहले से उठा रखे हैं। गोल्डमैन सैक्स के विश्लेषक एंड्रयू टिल्टन के अनुसार, चीन की ऊर्जा व्यवस्था अन्य देशों की तुलना में थोड़ी सुरक्षित है। इसकी वजहें हैं चीन के पास करीब 4 महीने का आपातकालीन तेल भंडार मौजूद

है। रूस के साथ लंबे समय के ऊर्जा समझौते के कारण चीन पर तुरंत असर सीमित हो सकता है, लेकिन अगर संकट लंबा चला तो स्थिति गंभीर हो सकती है।

फ्रांस बोला- लेबनान की संप्रभुता का सम्मान हो, यूएस विदेश विभाग का दावा- ईराक में नागरिकों पर हो रहे हमले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं।इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए लेवल 4- यात्रा न करें चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान-अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों पर कर रहे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश विभाग ने कहा है कि ईरान समर्थित उग्रवादी संगठन इराक में अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े ठिकानों पर व्यापक हमले कर रहे हैं। विभाग ने अपने नागरिकों को तत्काल इराक छोड़ने की सलाह दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा एक बयान में कहा गया, इराक में ईरान समर्थित उग्रवादियों ने अमेरिकी नागरिकों और अमेरिका से जुड़े लक्ष्यों पर व्यापक हमले किए हैं, जिनमें इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र भी शामिल है। अमेरिकी नागरिक तुरंत इराक छोड़ दें। इराक में अमेरिकी मिशन नागरिकों की सहायता के लिए खुला है। बयान में आगे कहा गया कि मौजूदा सुरक्षा जोखिमों को देखते हुए बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास या एरबिल स्थित वाणिज्य दूतावास जाने की कोशिश न करें, क्योंकि इराकी हवाई क्षेत्र में मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट हमलों का खतरा बना हुआ है। सभी नियमित कांसुलर सेवाएं, जिसमें वीजा सेवाएं भी शामिल हैं, फिलहाल निलंबित हैं। आपात स्थिति में अमेरिकी नागरिकों को संबंधित ईमेल के जरिए संपर्क करने की सलाह दी गई है। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों की इराक की यात्रा न करने की चेतावनी भी दोहराई है और कहा है कि किसी भी कारण से इराक की यात्रा न करें, और यदि वहां मौजूद हैं तो तुरंत देश छोड़ दें। इससे पहले शनिवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने अपने नागरिकों के लिए वैश्विक चेतावनी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि ईरान समर्थक समूह अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना सकते हैं। चेतावनी में कहा गया, दुनियाभर में, विशेष रूप से पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी नागरिक अतिरिक्त सतर्कता बरतें। विदेश में रह रहे अमेरिकी नागरिक नजदीकी अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। समय-समय पर हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्रा प्रभावित हो सकती है।

सीरीज 3-2 से अपने नाम की; न्यूजीलैंड 22 साल से नहीं हरा सकी

साउथ अफ्रीका ने पांचवां टी-20 मैच 33 रन से जीता

क्राइस्टचर्च। दक्षिण अफ्रीका ने डिसाइडर में कीवियों को 33 रन से हराकर न्यूजीलैंड की धरती पर जीती पहली टी20 सिरीज

दक्षिण अफ्रीका आई न्यूजीलैंड क्राइस्टचर्च में खेले गए पांचवें टी20 में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 33 रनों से हराकर सिरीज 3-2 से जीत ली। एस्टरहुइजेन की 33 गेंदों में नाबाद 75 रनों की विस्फोटक पारी से प्रोटियाज ने 187/4 बनाए, मगर कीवी टीम 154/8 पर सिमट गई।

दक्षिण अफ्रीका आई न्यूजीलैंड क्राइस्टचर्च के हैगली ओवल में खेले गए पांचवें और निर्णायक टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 33 रनों से मात देकर सिरीज 3-2 से अपने नाम कर ली है। यह न्यूजीलैंड की धरती पर साउथ अफ्रीका की पहली टी20 सिरीज जीत है, जो इसे एक ऐतिहासिक उपलब्धि बनाता है। सिरीज में 2-1 से पिछड़ने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने जिस तरह वापसी की, वह मानसिक तौर पर उनकी मजबूती को दर्शाता है।

बेवन जैकब्स ने 36 रनों की पारी के साथ संघर्ष किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई मदद नहीं मिल सकी। जेराल्ड कोएट्जी ने 19वें ओवर में जोश क्लार्कसन और कोल मैकोंची दोनों के विकेट लेकर न्यूजीलैंड की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दी। ब्लैककैप्स 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन ही बना पाए, इसी के साथ मैच और सीरीज दोनों गंवाई। एस्टरहुइजेन बने मैन ऑफ द सिरीज सिरीज में अपनी बल्लेबाजी से अलग छाप छोड़ने वाले कोनर एस्टरहुइजेन को मैन ऑफ द मैच और मैन ऑफ द सिरीज दोनों खिताबों से नवाजा गया।

अफ्रीकी गेंदबाजों के आगे बेबस दिखे कीवी

188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत ही बिखरी रही। पावरप्ले में वियान मुल्डर और ओटनेल बार्टमैन ने केटेन क्लार्क और डेन क्लीवर को सस्ते में पवेलियन लौटाया। न्यूजीलैंड के मिडिल ऑर्डर की कमर स्पिनर प्रेनेलान सुब्रेयेन ने तोड़ी, जिन्होंने बीच के ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई और अपने 4 ओवरों में सिर्फ 5.50 की इकॉनोमी से 22 रन दिए। कप्तान केशव महाराज ने एक विकेट झटका।

एस्टरहुइजेन का तूफानी अर्धशतक

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने कीवी गेंदबाजी का बखूबी सामना किया। वियान मुल्डर ने 31 और रूबिन हेरमन ने 39 रनों का योगदान दिया, मगर पारी के असली नायक कोनर एस्टरहुइजेन रहे, जिन्होंने महज 33 गेंदों में नाबाद 75 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। एस्टरहुइजेन की धाकड़ बल्लेबाजी प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 187 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

हरमनप्रीत कौर के नाम पर रखा गया द्वारका स्टेडियम में स्टैंड

सम्मान पाकर भावुक हुईं कप्तान

मुंबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को द्वारका स्थित ओमैक्से स्टेडियम में उनके नाम पर स्टैंड समर्पित किया गया। इस खास मौके पर हरमनप्रीत भावुक नजर आईं और इसे अपने करियर की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत भावुक हूं। एक क्रिकेटर के तौर पर मैंने सिर्फ देश के लिए खेलने और खिताब जीतने का सपना देखा था, लेकिन कभी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड होगा।'

मल्टी-फॉर्मेट सीरीज पर जोर

इस कार्यक्रम के दौरान हरमनप्रीत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में हुई मल्टी-फॉर्मेट सीरीज पर भी बात की और इसे खिलाड़ियों के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा, 'ऐसी मल्टी-फॉर्मेट सीरीज और होनी चाहिए, क्योंकि हर हफ्ते अलग फॉर्मेट खेलना एक नया और चुनौतीपूर्ण अनुभव देता है।' उन्होंने माना कि तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे, टी20) एक साथ खेलना खिलाड़ियों के लिए नया अनुभव रहा, लेकिन इससे टीम को काफी सीख मिली।

ब्रीफ न्यूज

एबीजी-नेतृत्व के वाले एक सहायता संघ ने 16,706 करोड़ रुपये में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 100% हिस्सेदारी खरीदी

दिल्ली। आदित्य बिरला समूह- (एबीजी) के नेतृत्व वाले एक सहायता संघ ने आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में 100% इक्विटी हिस्सेदारी उसके वर्तमान मालिक यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड से 16 हजार 706 करोड़ रुपये में हासिल कर ली है। इस संघ में आदित्य बिरला समूह, टाइम्स ऑफ इंडिया समूह, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोन की स्थायी निजी इक्विटी रणनीति, बीएक्सपीई (ब्लैकस्टोन) शामिल हैं।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचें सिनर

मियामी। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

गोल्फ में टेक क्रांति; 2028 तक 80% हो जाएगा वर्चुअल

अमेरिका में बढ़ रहे ऑफ कोर्स खिलाड़ी, मैदान से ज्यादा स्क्रीन पर खेल रहे शॉट

लंदन। गोल्फ की दुनिया में एक खामोश लेकिन बड़ा बदलाव आ रहा है। एक प्रमुख खेल टेक्नोलॉजी कंपनी के अनुसार, साल 2028 के अंत तक ब्रिटेन में आउटडोर (मैदान पर) गोल्फ से ज्यादा इंडोर (वर्चुअल) गोल्फ के राउंड खेले जाएंगे।

अगले दो वर्षों में दुनिया भर में खेले जाने वाले कुल गोल्फ राउंड्स का 80% हिस्सा वर्चुअल होगा। यह बदलाव अचानक नहीं आया है। गोल्फ के दीवाने देश दक्षिण कोरिया में यह टर्निंग पॉइंट एक दशक पहले ही आ चुका था, जहां 'स्क्रीन गोल्फ' ने 'फील्ड गोल्फ' को पछाड़ दिया है। वहां 87% गोल्फर वर्चुअल गोल्फ पसंद करते हैं।

दिग्गज पेशेवर खिलाड़ी भी इससे अछूते नहीं हैं। टाइगर वुड्स और रोरी मैक्लरॉय का टीजीएल वेंचर 64×53 फीट की विशाल स्क्रीन पर इंडोर गोल्फ को नए स्तर पर ले जा रहा है। वहीं, गेविन मैकफर्सन जैसे खिलाड़ी सिमुलेटर टूर्नामेंट जीतकर ऑस्ट्रेलिया के असली 'एनएसडब्ल्यू ओपन' के लिए क्वालिफाई कर रहे हैं। इंडोर गोल्फ की शुरुआत 40 साल पहले जापान

से हुई थी। इंडोर गोल्फ की बढ़ती लोकप्रियता का बड़ा कारण मौसम भी है। ब्रिटेन और दुनिया के कई हिस्सों में खराब मौसम गोल्फरों को महीनों तक मैदान से दूर रखता है। 'पिच गोल्फ' के सह-संस्थापक क्रिस इंघम कहते हैं कि ब्रिटेन में साल के सिर्फ 5 महीने ही गोल्फ के लिए अच्छे होते हैं, बाकी समय सिमुलेटर ही काम आते हैं। आंकड़ों के अनुसार, अब दुनिया में असली गोल्फ कोर्स की तुलना में 'ऑफ-कोर्स' (सिमुलेटर या रेंज पर) खेलने वालों की संख्या अधिक हो गई है। अमेरिका में 2023 में 3.29 करोड़ ऑफ-कोर्स खिलाड़ी थे, जबकि ऑन-कोर्स खिलाड़ी 2.66 करोड़ ही थे।

हालांकि, पारंपरिक गोल्फ खत्म नहीं हो रहा है। साल 2025 में ब्रिटेन में 9 करोड़ फुल ऑन-कोर्स राउंड खेले गए, जो पिछले 5 वर्षों में सबसे ज्यादा हैं। दरसअल, 82% पारंपरिक गोल्फर सिमुलेटर का उपयोग अपनी स्विंग सुधारने या दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए कर रहे हैं। सिमुलेटर नए खिलाड़ियों को जोड़ने का सबसे बड़ा जरिया बन गया है। दुनिया भर में 10.8 करोड़ गोल्फरों (अमेरिका/मैक्सिको को छोड़कर) में से 60% गैर-पारंपरिक गोल्फ खेल रहे हैं और टीनएजर में यह आंकड़ा 80% है। इंग्लैंड में 36% खिलाड़ियों ने असली कोर्स पर जाने से पहले सिमुलेटर पर गोल्फ का अनुभव लिया। इंडोर गोल्फ सिर्फ खेल नहीं, बल्कि सोशल इवेंट बन गया है, जिसमें गोल्फ को बार, म्यूजिक, कॉर्पोरेट इवेंट्स के साथ जोड़ते हैं।

शाकिब अल हसन की होगी वतन वापसी

क्या फिर खेलेंगे बीसीबी के लिए क्रिकेट जानिए क्या है मामला

ढाका। शाकिब अल हसन की वापसी पर चयन समिति प्रमुख हबीबुल बशर ने इच्छा जताई कि वे कम से कम 2027 विश्व कप तक टीम के लिए खेलें। हालांकि, अभ्यास की कमी के कारण शाकिब न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज में शामिल नहीं होंगे, लेकिन भविष्य में उनकी वापसी पर विचार जारी है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड की चयन समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष हबीबुल बशर ने कहा है कि वह चाहते हैं कि अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन वापस वतन लौटकर कम से कम दो और वर्ष तक देश की तरफ से खेलें, जिसमें 2027 का वनडे विश्व कप भी शामिल है।

बशर ने की शाकिब से वतन वापसी की गुजारिश

शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पार्टी के सदस्य रहे 38 वर्षीय शाकिब अपनी सरकार के पतन के बाद अमेरिका चले गए थे और अंतरिम सरकार ने उन्हें देश का प्रतिनिधित्व करने से रोक दिया था। लेकिन इस साल की शुरुआत में नई सरकार के गठन के बाद पद संभालने वाले बशर चाहते हैं कि शाकिब वापस वतन लौटकर फिर से देश की तरफ से खेलें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं होंगे शामिल

बशर ने कहा कि शाकिब की वापसी पर विचार किया जा रहा है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 अप्रैल से शुरू होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला में उन्हें टीम में रखना संभव नहीं हो पाएगा क्योंकि इसमें अब बहुत कम समय बचा है। उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अब अधिक समय नहीं बचा है। मुझे पता नहीं है कि हाल में शाकिब ने कितनी क्रिकेट खेली है। उनके बारे में मैं जितना जानता हूं उसके आधार पर यह कह सकता हूं कि वह ऐसे खिलाड़ी नहीं है जो कल आकर ही खेलना शुरू कर दें।' बशर ने क्रिकबज से कहा, 'उन्हें भी अभ्यास की जरूरत पड़ती है। इसमें भावनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। निश्चित तौर पर अगर हम शाकिब के बारे में सोच रहे हैं तो उन्हें लंबे समय तक टीम से जोड़ने के बारे में सोचेंगे।'दो साल और खेल सकते हैं शाकिब

शाकिब ने संन्यास लेने से पहले अपने घरेलू मैदान पर अपना आखिरी टेस्ट खेलने की इच्छा व्यक्त की है, लेकिन बशर ने कहा कि यह दिग्गज क्रिकेटर अभी भी कम से कम दो साल और खेल सकता है।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा । अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया । जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं।

इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा।अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

आइपीएल में प्रवीण के नाम है ये अनौखा रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो उनके अलावा कोई भी दूसरा खिलाड़ी नहीं बना पाया है। आरसीबी की ओर से आईपीएल के पहले ही सत्र में साल 2008 में प्रवीण ने अपने पहले ही ओवर में बल्लेबाजों को एक भी रन नहीं बनाने का मौका दिया। इस ओवर में हालांकि तीन अतिरिक्त रन बने पर बल्ले से एक भी रन नहीं गया। आईपीएल का ये पहला ही मैच धमाकेदार रहा। इसमें आरसीबी के प्रवीण के अलावा केकेआर की ओर से ब्रेंडन मैकुलम ने तेजी से खेलते हुए 73 गेंद में 158 रन बनाये। अपनी इस पारी में मैकुलम ने 13 छक्के और 10 छक्के भी लगाए। केकेआर की टीम ने इस मैच में आरसीबी का 40 रनों के बड़े अंतर से हराया था। इस मुकाबले में केकेआर की टीम ने मैकुलम के शतक से निर्धारित 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाये। इसके बाद आरसीबी की टीम 223 रनों के लक्ष्य के जवाब में 15.1 ओवर में केवल 82 रन ही बना पायी। आरसीबी की ओर से सबसे ज्यादा 18 रन प्रवीण ने बनाये थे।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

क्राइस्टचर्च। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और 92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

लंदन में यूईएफए महिला चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलते हुए आर्सेनल और चेलेसा के खिलाड़ी।

मेंस रिकर्व और विमेंस कंपाउंड टीम फाइनल में पहुंची; कजाकिस्तान से होगा मुकाबला

एशिया कप वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट: भारतीय तीरंदाजों ने जीते 2 ब्रोंज मेडल

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में चल रहे एशिया कप वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट (स्टेज-1) के दूसरे दिन भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने बुधवार को दो ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए। इसके साथ ही भारतीय खिलाड़ियों ने मेंस रिकर्व और विमेंस कंपाउंड टीम इवेंट के फाइनल में जगह बना ली है।

विमेंस कंपाउंड टीम: थाईलैंड को हराकर फाइनल में पहुंची

महिला कंपाउंड टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 229-226 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। चिकिता तनिपार्थी, राज कौर और तेजल साल्वे की

टीम अब खिताबी मुकाबले में तीसरे नंबर की सीड कजाकिस्तान से भिड़ेगी। पिछले साल टीम ने ब्रॉन्ज जीता था। सेमीफाइनल में वियतनाम के खिलाफ एक समय भारतीय टीम 5 पॉइंट की बढ़त पर थी, लेकिन दूसरे और तीसरे एंड में वियतनाम ने परफेक्ट 60 का स्कोर कर वापसी की और भारत को 234-233 से हरा दिया।

हालांकि, बाद में ब्रॉन्ज मेडल मैच में भारत ने भूटान को 234-232 से हराकर पदक पक्का किया।

मेंस रिकर्व टीम: मलेशिया को 5-1 से दी शिकस्त

पुरुष रिकर्व टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। देवांग गुप्ता, सुखचैन सिंह और जुयेल सरकार की टीम ने बिना कोई सेट गंवाए जीत दर्ज की और अब फाइनल में कजाकिस्तान से मुकाबला होगा। पहले सेट को भारत ने 53-50 और दूसरे को 53-52 से जीता। तीसरे सेट में मुकाबला 56-56 की बराबरी पर रहा, जो भारत को फाइनल में पहुंचाने के लिए काफी था। वहीं, महिला रिकर्व टीम ने भी ब्रॉन्ज मेडल जीता। रूमा बिस्वास, कीर्ति और रिधि फोर की टीम ने मलेशिया को 5-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

मेंस कंपाउंड टीम सेमीफाइनल में हारी

पुरुष कंपाउंड टीम को सेमीफाइनल में वियतनाम से 233-234 से हार का सामना करना पड़ा। टीम के पास बढ़त थी, लेकिन आखिरी पलों में मुकाबला हाथ से निकल गया। हालांकि टीम ने ब्रॉन्ज मेडल मैच में भूटान को 234-232 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। रजत चौहान, ऋषभ यादव और उदय कंबोज की अनुभवी टीम अपना खिताब डिफेंड करने में नाकाम रही

सेवा, समर्पण एवं संकल्प
के प्रतीक, कैबिनेट मंत्री छत्तीसगढ़ शासन
माननीय
गुरु खुशवंत
साहेब जी
को जन्मदिन की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

भारतीय जनता पार्टी, आरंग विधानसभा क्षेत्र

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।